संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शुक्रवार
23 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 211
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

बजट-पूर्व परामर्श प्रक्रिया लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण और सशक्त माध्यम: मुख्यमंत्री

पेज-8

पंजाब में केजरीवाल और भगवंत सिंह मान ने पूरी की स्वास्थ्य गारंटी

हिन्द जनपथ

साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली)- आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब में मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा के अपने वादे को पूरा करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज मोहाली में 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' की शुरुआत की, जिससे राज्य के हर परिवार को 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इस योजना के लागू होने से अमीरों की पहुंच में आने वाले सबसे महंगे निजी अस्पताल भी गरीबों के लिए खोल दिए गए हैं, जो लोक सेवा में निर्णायक बदलाव है।

आम आदमी पार्टी की सरकार के अधीन पंजाब अब देश का पहला राज्य बन गया है जिसने महिलाओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली और मुफ्त बस यात्रा की गारंटी दी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सत्ता की भूखी विपक्षी पार्टियां आपसी लड़ाइयों में डूबी रहती हैं और सिर्फ 'आप' ही पंजाब का भविष्य सुरक्षित कर सकती है। इस मौके पर 'आप' कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कुछ योग्य लाभार्थियों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना कार्ड भी सौंपे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की शुरुआत के दौरान 'आप' के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज सिर्फ पंजाब के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए बड़ा और ऐतिहासिक दिन है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'आज पंजाब में जो काम होने जा रहा है, वह शायद 1950 में किया जाना चाहिए था। आजादी की लड़ाई लड़ने वाले देश भक्तों ने इस लिए संघर्ष नहीं किया कि एक दिन अंग्रेज चले जाएं और हमारी अपनी सरकारें ऐसी बनें जो लोगों के लिए कुछ नहीं करेंगी।'

'आप' सुप्रीमो ने कहा कि पिछले 75 सालों में बहुत सारी सरकारें आईं और गईं, लेकिन उनमें से किसी ने भी लोगों की परवाह नहीं की। बड़े-बड़े वादे किए गए, लेकिन लोगों को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि एक समय था जब पंजाब आतंकवाद से ग्रस्त था और फिर एक ऐसा दौर आया जब नशे की दलदल में फंस गया था। उन्होंने कहा, 'हर चीज का अपना समय होता है। पिछले चार सालों से पंजाब जिस दौर से गुजर रहा है, वह पंजाब और देश के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा।'

चुनावों के दौरान किए गए वादों का जिक्र करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब वे और मुख्यमंत्री भगवंत मान चुनाव प्रचार करने जाते थे तो वे गारंटियां देते थे। उस समय वे 'केजरीवाल की गारंटियां' की बात करते थे, जिनमें से एक स्वास्थ्य गारंटी थी कि पंजाब के हर व्यक्ति और हर नागरिक के लिए मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, 'लोग उस समय इस पर विश्वास नहीं करते थे।'

'आप' सुप्रीमो ने आगे कहा, 'उन दिनों में कांग्रेस सरकार सत्ता में थी। पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री थे, और फिर चरणजीत सिंह चन्नी। वे कहते थे कि खजाना खाली था, सरकार घाटे में चल रही थी, और कोई पैसा नहीं था।'

राष्ट्रीय कन्वीनर ने कहा, 'इन नेताओं ने कहा कि अरविंद केजरीवाल मुफ्त बिजली, मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा और मुफ्त शिक्षा के बारे में झूठ फैला रहे हैं, और यह कुछ भी संभव नहीं था क्योंकि पैसा नहीं था। लेकिन 'आप' सरकार ने साबित कर दिया कि सारी गारंटियां सचमुच पूरी की जा सकती हैं।' अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज मुफ्त में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है और अच्छे स्कूल बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा के प्रबंध पहले ही शुरू किए गए थे, लेकिन आज का कदम ऐतिहासिक है। पिछले चार सालों में सरकार ने गांवों और मोहल्लों में लगभग 1,000 मोहल्ला क्लिनिक बनाए हैं।' राष्ट्रीय कन्वीनर ने बताया कि ये आम क्लिनिक नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले 75 सालों में अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस सरकारों ने मिलकर सिर्फ 400 प्राइमरी हेल्थ सेंटर खोले हैं, जबकि मौजूदा सरकार ने सिर्फ चार सालों में 1,000 मोहल्ला क्लिनिक बनाए हैं, और अन्य 500 निर्माणाधीन हैं।'

- **पंजाब में हर परिवार को सबसे अच्छे प्राइवेट अस्पताल में मिलेगा 10 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज**
- **दुनिया भर में सिर्फ यही स्कीम है जो किडनी ट्रांसप्लांट, कैंसर और दिल की बीमारियों के लिए मुफ्त इलाज उपलब्ध करवाती है - मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान**

ईडी के दो केस में केजरीवाल की बड़ी जीत

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी के दो केस में बड़ी जीत मिली है। ईडी ने तथाकथित शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल पर समन का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था और उन्होंने ईडी के केस को फर्जी बताते हुए समन को अवैध करार दिया था। गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी के इन दोनों केस में अरविंद केजरीवाल को बरी कर दिया। कोर्ट से मिली इस बड़ी जीत पर अरविंद केजरीवाल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्यमेव जयते।

यह आदेश राउज एवेन्यू कोर्ट के एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने सुनाया। उन्होंने ईडी द्वारा दायर की गई दोनों शिकायतों को खारिज करते हुए अरविंद केजरीवाल को बरी कर दिया।

राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला आने के बाद आम आदमी पार्टी के तमाम नेताओं ने केंद्रीय एजेंसियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने पर भाजपा पर तीखा हमला बोला। पंजाब में पार्टी के प्रभारी और दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि सच को जितना चाहे मर्जी दबाने की कोशिश कर लो, लेकिन एक दिन सामने आ ही जाता है। सत्यमेव जयते। वहीं, वरिष्ठ नेता व दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि सत्यमेव जयते। भगवान के घर देर है अंधेर नहीं।

''आप'' सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के पापों का अंत होगा, न्याय भी मिलेगा। अरविंद केजरीवाल के खिलाफ ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल करके झूठा फसाने की साजिशों का आज फिर पर्दाफ़ाश हुआ। न्यायालय का आदेश मोदी सरकार के मुंह पर तमाचा है।

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं।

मोटी-मोटी बातें

गणतंत्र दिवस के लिए पंजाब सरकार की झांकी मानव एकता के आध्यात्मिक प्रकाश और बलिदान की भावना का प्रतीक

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस परेड-2026 के लिए पंजाब सरकार द्वारा तैयार की गई झांकी मानव एकता, दया-भावना और धार्मिक मूल्यों के उच्चतम आदर्शों को बनाए रखने के लिए आध्यात्मिकता और बलिदान की निस्वार्थ भावना का अनूठा प्रतीक है।

सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस झांकी के दो हिस्से हैं- ट्रैक्टर और ट्रेलर।

झांकी के ट्रैक्टर हिस्से में हाथ का निशान बना हुआ है, जो मानवतावादी और दया-भावना वाले दृष्टिकोण को दर्शाते हुए आध्यात्मिकता का प्रकाश बिखेरता है। इसके साथ ही इसके आगे के हिस्से में 'एक ओंकार' (परमात्मा एक है) का निशान है, जिसे घूमते हुए दिखाया गया है और कपड़े का एक टुकड़ा जिस पर 'हिंद दी चादर' की उकेरी हुई लिखावट है, जो जुल्म से रक्षा की गुहार लगाने वालों के लिए सुरक्षा का प्रतीक है।

ट्रेलर वाले हिस्से में रागी सिंहों द्वारा 'शब्द कीर्तन' किया जा रहा है, जिसके पिछले हिस्से में 'खंडा साहिब' का निशान है जो पूरे परिवेश को एक अलौकिक और आध्यात्मिक रंगत में रंग देता है। यह स्थान दिल्ली के गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब के ठीक सामने सुशोभित है और इस चौक पर रोजाना शब्द कीर्तन होता है।

'गैंगस्टरां ते वार': ऑपरेशन प्रहार को मिली बड़ी सफलता; पंजाब के गैंगस्टर-मुक्त होने तक जारी रहेगी जंग

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा गैंगस्टरों के खिलाफ चलाई गई निर्णायक और निरंतर जंग 'गैंगस्टरां ते वार' के पहले चरण के तहत शुरू किए गए 72 घंटे के 'ऑपरेशन प्रहार' को बड़ी सफलता मिली है। इसके परिणामस्वरूप विदेशों में बैठे गैंगस्टरों के पंजाब में मौजूद साथियों के ठिकानों को ध्वस्त किया जा रहा है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि 'गैंगस्टरां ते वार' एक निरंतर अभियान है, जो तब तक इसी तरह जारी रहेगा जब तक पंजाब से गैंगस्टरों का पूरी तरह सफाया नहीं हो जाता।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को गैंगस्टरों के खिलाफ जंग का ऐलान करते हुए डीजीपी पंजाब ने 'ऑपरेशन प्रहार' के नाम से बड़े स्तर पर कार्रवाई शुरू की थी। इसके तहत 12,000 पुलिस कर्मियों वाली 2000 से अधिक पुलिस टीमों को पूरे पंजाब में 60 विदेशी गैंगस्टरों के चिन्हित और मैप किए गए ठिकानों पर छापेमारी के लिए तैनात किया गया था।

तीन दिन चले इस ऑपरेशन के नतीजे साझा करते हुए स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने कहा कि पूरे राज्य में कुल 4871 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें से 3256 को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने इनके कब्जे से 69 हथियार, 6.5 किलो हेरोइन, 10.5 किलो अफीम, 5092 नशीली गोलियां, 72 किलो भुक्की और 2.69 लाख रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है।

सच की जीत: दिल्ली की अदालत ने ईडी केस में अरविंद केजरीवाल को किया बरी: अमन अरोड़ा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को कथित आबकारी नीति मामले से संबंधित इंफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) के एक मामले में बरी करने के दिल्ली की अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए 'आप' पंजाब के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा कि एक बार फिर, झूठ, धोखे और राजनीतिक बदलाखोरी पर सच्चाई की जीत हुई है।

अमन अरोड़ा ने कहा कि लंबे समय से भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल और 'आप' के अन्य नेताओं के खिलाफ झूठे और बेबुनियाद केस दर्ज करने के लिए ईडी जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही थी। उन्होंने कहा कि इसका एकमात्र उद्देश्य 'आप' की छवि को खराब करना और केजरीवाल की राजनीति को कमजोर करना था। उन्होंने आगे कहा कि आज के अदालती फैसले ने इन कोशिशों को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है।

डोडा सड़क हादसे में सेना के 10 जवानों की मौत, उप राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

जम्मू- जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में सेना के एक वाहन के गहरी खाई में गिर जाने से 10 जवानों की मौत हो गयी और 11 अन्य घायल हो गए।

यहां अधिकारियों ने बताया कि सेना का कैस्पर वाहन भद्रवाह-चंबा सड़क पर थानाला के ऊपरी इलाके खन्नीटॉप के पास फिसलन भरी सड़क के कारण करीब 300 फीट गहरी खाई में गिर गया। यह टीम एक टीम ऑपरेशन के लिए जा रही थी। यह हादसा इतना भयावह था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और स्थानीय लोगों ने दुर्गम क्षेत्र में कई घंटों तक बचाव अभियान चलाया।

जिला प्रशासन के अनुसार, वाहन में सेना के कुल 21 जवान सवार थे, जिनमें से 10 की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 10 जवानों को उधमपुर के कमांड अस्पताल में तत्काल उपचार के लिए एयरलिफ्ट किया गया है, जबकि मामूली रूप से घायल एक जवान का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और उनके सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेगा। उपराज्यपाल ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश एकजुट होकर उनके साथ खड़ा है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायल जवानों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

ट्रम्प और रूट्टे के बीच ग्रीनलैंड पर 'भविष्य के समझौते' की रूपरेखा तैयार, वापस ली टैरिफ की धमकी

वाशिंगटन- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो महासचिव मार्क रूट्टे के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद घोषणा करते हुए कहा है कि ग्रीनलैंड को लेकर 'भविष्य के समझौते की रूपरेखा' तैयार कर ली गई है। इस कूटनीतिक प्रगति के बाद श्री ट्रम्प ने यूरोपीय सहयोगियों पर एक फरवरी से लगाए जाने वाले प्रस्तावित आयात शुल्क को वापस लेने का फैसला किया है।

स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक के इतर हुई इस वार्ता को श्री ट्रम्प ने 'अत्यंत सकारात्मक' बताया और कहा कि यह समझौता न केवल ग्रीनलैंड, बल्कि पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि यद्यपि समझौते के विस्तृत विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, लेकिन यह रणनीतिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने ग्रीनलैंड को उत्तरी अमेरिका का हिस्सा और अमेरिका का क्षेत्र बताते हुए कहा कि यह विशाल द्वीप वर्तमान में असुरक्षित है। श्री ट्रम्प के अनुसार, इस समाधान से अमेरिका और सभी नाटो देशों को लाभ होगा।

भारत की बेटियां हर क्षेत्र में बना रही हैं नये रिकार्ड : मोदी

नयी दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि श्री मोदी ने कहा कि जिस देश में पुत्रियों को लक्ष्मी के समान पूजा जाता है, वहां आज से 11 वर्ष पहले इसी दिन 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान आरंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने बेटियों के महत्व पर आधारित शाश्वत भारतीय मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हुए कहा कि एक पुत्री दस पुत्रों के समान है और दस पुत्रों से प्राप्त पुण्य या सदुण एक पुत्री से भी प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा 'कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नये रिकॉर्ड बना रही हैं।

ओलंपिक में पदक जीतने के लिए खिलाड़ियों को उपलब्ध करवाया जा रहा है उच्च स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर - नायब सिंह सैनी

8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आल वेदर स्वीमिंग पूल की रखी आधारशिला

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने के लिए प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर हरियाणा सरकार की तरफ से उपलब्ध करवाया जा रहा है। प्रदेश में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए सरकार की तरफ से खेल नर्सरियों के साथ-साथ अन्य खेल केन्द्र भी बनाए गए हैं। सरकार ने खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई हैं जिसके चलते खिलाड़ी देश के लिए सबसे ज्यादा मेडल जीतकर ला रहे हैं।

मुख्यमंत्री वीरवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत करीब 5 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित सिंथेटिक हॉकी मैदान का उद्घाटन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया योजना के तहत 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आल वेदर स्विमिंग पूल के प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने स्वयं हॉकी स्टिक थामी और नए सिंथेटिक ट्रैक पर जोरदार स्ट्रोक लगाकर मैदान का परीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंथेटिक हॉकी खेल मैदान से अब उभरते हुए हॉकी खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हरियाणा सरकार खेलों को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना से राज्य के खिलाड़ी ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर और भी अधिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे। यह आयोजन न केवल बुनियादी ढांचे के विकास का प्रतीक रहा, बल्कि हरियाणा को देश का खेल हब बनाए रखने के संकल्प को भी दोहराया गया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत बनाए गए सिंथेटिक हॉकी एस्ट्रोटर्फ की जानकारी देते हुए कहा कि भारत सरकार के खेल मंत्रालय की तरफ से 10 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध करवाया गया था।

मुख्यमंत्री ने सुलह विधानसभा क्षेत्र की सभी पात्र महिलाओं को 1500 रुपये देने की घोषणा

सुलह में खुलेगा बिजली बोर्ड का डिवीजन, भवारना को नगर पंचायत बनाने की घोषणा

एक साल में प्रदेश के प्रमुख अस्पतालों में उपलब्ध होगी एम्स की तर्ज पर तकनीक, सभी पीएचसी में होंगे डॉक्टर- मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कांगड़ा जिला के सुलह विधानसभा क्षेत्र की सभी पात्र महिलाओं को इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत 1500 रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने सुलह विधानसभा क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड का डिवीजन खोलने और भवारना को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कांगड़ा जिला के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है तथा लोगों को जमीन का अच्छा मुआवजा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार से पूरे क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि आएगी और यहां पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को छोटी नौकरी के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनकी यहीं पर बेहतर आय होगी।

सुलह में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी क्षेत्र में भी युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना शुरू होने के बाद हिमाचल प्रदेश के युवाओं का सेना से मोहभंग हो रहा है। राज्य सरकार 800 पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती में अग्निवीरों को भी भर्ती करेगी। उन्होंने 58 वर्ष तक नौकरी के साथ-साथ ओपीएस भी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रशिक्षित युवाओं को दीर्घकालिक रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें राज्य पुलिस में सेवा करने का अवसर देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी नीतियों में विश्वास नहीं रखते जो चार साल बाद युवाओं का भविष्य समाप्त कर दें। हमारी सरकार सुरक्षित रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश शिक्षा के स्तर में 21वें स्थान पर था। विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा सरकार ने बिना बजट और स्टाफ के स्कूल खोले या अपग्रेड कर दिए, जिससे प्रदेश में शिक्षा का स्तर गिरा। उन्होंने कहा, ''मैं जनता के हित में फैसले लेता हूं। मां-बाप सोचते हैं कि मेरा बच्चा स्कूल गया है और अच्छा पढ़-लिखेगा। लेकिन अगर नींव कमजोर होगी तो बच्चों का आत्मविश्वास कैसे बढ़ेगा। वर्तमान राज्य सरकार के प्रयासों से आज हिमाचल प्रदेश गुणात्मक शिक्षा के मामले में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है।'' उन्होंने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए राज्य सरकार अध्यापकों के पद भर रही है। पहली कक्षा से अंग्रेजी मीडियम में पढ़ाई शुरू की और अब 200 से ज्यादा स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम आधारित बनाया जा रहा है।

श्री सुक्खू ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार के समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में भी दयनीय स्थिति थी। उन्होंने कहा कि एक साल में टांडा मेडिकल कॉलेज सहित सभी मेडिकल कॉलेजों और पालमपुर अस्पताल के साथ-साथ सभी जोनल अस्पतालों में एम्स की तर्ज पर तकनीक उपलब्ध होगी, ताकि मरीजों का इलाज सही तरीके से हो सके। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है और छह महीने के भीतर प्रदेश की सभी पीएचसी में चिकित्सक और मेडिकल कॉलेजों में स्पेशलिस्ट डॉक्टर उपलब्ध होंगे।

भाजपा पर तीखा हमला करते हुए श्री सुक्खू ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार को वर्तमान सरकार से 50 हजार करोड़ रुपए धन अधिक मिला, लेकिन उसका सदुपयोग नहीं किया गया है। पिछली सरकार के कार्यकाल में एक हजार करोड़ रुपए के भवन बना दिये, जो आज भी खाली हैं। उन्होंने कहा कि बद्दी में कस्टमाइजड पैकेज के नाम पर 5000 बीघा जमीन कौड़ियों के भाव बड़े-बड़े उद्योगपतियों को दे दी गई, जिससे प्रदेश सरकार के राजस्व को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार धारा-118 में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं कर रही है, लेकिन सोशल मीडिया पर सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसी भी सूरत में प्रदेश की जनता को लुटने नहीं देगी। राज्य सरकार भ्रष्टाचार को समाप्त कर अनाथ बच्चों, विधवाओं, दिव्यांगों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए धन का प्रावधान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राम हमारे आराध्य है, केंद्र सरकार ने राम मंदिर स्थापना पर आधे दिन का अवकाश था, लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने एक दिन का अवकाश दिया। उन्होंने केंद्र सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने यह यह योजना गरीबों के हित में शुरू की थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच चरणों में प्रदेश में आईआरडीपी का सर्वे कर रही है, क्योंकि राज्य सरकार किसी गरीब को उसके अधिकार से वंचित नहीं रखेगी।

उन्होंने कहा, ''कुछ लोग कहते थे कि निचले हिमाचल से कभी भी कांग्रेस का मुख्यमंत्री नहीं बनेगा, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने मुझे प्रदेश की सेवा का अवसर दिया।

सोलन में नगर नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी करेंगे ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता

सोलन। सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में आयोजित होने वाले ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता अब प्रदेश के नगर नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा एवं व्यवसायिक तथा औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी करेंगे। यह जानकारी उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यातिथि सर्वप्रथम प्रातः 10.40 बजे कारगिल शहीद स्मारक पर कृतज्ञ प्रदेश वासियों एवं ज़िला वासियों की ओर से शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

उन्होंने कहा कि राजेश धर्माणी तदोपरांत प्रातः 11.00 बजे ठोडो मैदान में ध्वज फहराएंगे।

मुख्यातिथि उसके उपरांत पुलिस तथा गृह रक्षा एवं अन्य टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत भव्य मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अन्य को सम्मानित भी किया जाएगा।

मनमोहन शर्मा ने सोलन निवासियों से आग्रह किया ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर बड़ी संख्या में ठोडो मैदान पहुंचे और कार्यक्रम का आनन्द उठाएं।

मुख्यमंत्री ने सुलह विधानसभा क्षेत्र को दी 76.41 करोड़ रुपये की सौगात

नव स्तरोन्नत तहसील सुलह का किया शुभारम्भ

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज कांगड़ा जिले के सुलह विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे के दौरान लगभग 76.41 करोड़ रुपये की 14 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नए तहसील कार्यालय सुलह का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने हमीरपुरदृसुजानपुरदृथुरलदृमरांडा मार्ग पर मौल खड्ड पर 12.57 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दो लेन पुल और मलाग से मलाहा लिंक रोड पर मौल खड्ड पर 3.57 करोड़ रुपये से निर्मित पुल का लोकार्पण किया।

उन्होंने धीरा में 10.82 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित संयुक्त कार्यालय भवन, 5.02 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन धीरा, खरूल में 16 लाख रुपये की लागत से बने स्वास्थ्य उप-केंद्र भवन, भोडा में 15 लाख रुपये की लागत से बने स्वास्थ्य उप-केंद्र भवन, 25 लाख रुपये की लागत से बने स्वास्थ्य उप-केंद्र भवन कोना, 89 लाख रुपये की लागत से बने पशु चिकित्सालय भवन सुलह, मूंधी में 49 लाख रुपये की लागत से बने पशु औषधालय भवन तथा 50 लाख रुपये की लागत से राजकीय उच्च विद्यालय भट्ठ समूला में अतिरिक्त आवासीय सुविधा का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने तहसील पालमपुर में पेयजल आपूर्ति योजना झरेत राजहूं और पेयजल आपूर्ति योजना परौर खरोत के जल वितरण प्रणाली के 5.45 करोड़ रुपये के सुधार कार्य तथा भावरना और भेडू महादेव ब्लॉक के कुछ हिस्सों और घलून (मलनून) के लिए परौर एवं अन्य गांवों के लिए 31.69 करोड़ रुपये की लागत की जल आपूर्ति योजना का उद्घाटन किया। उन्होंने 2.87 करोड़ रुपये की लागत से गल्लू भोडा से शिवनगर मार्ग पर मोल खड्ड पर निर्मित होने वाले पुल तथा तहसील धीरा में चौधरी तारा चंद राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गग्गल के दो करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले अतिरिक्त परिसर की आधारशिला भी रखी।

जगत सिंह नेगी ने एचपी-शिवा परियोजना के अंतर्गत औद्यानिकी गतिविधि कैलेंडर जारी किया

शिमला। बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने आज यहां एशियन विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित एचपी-शिवा परियोजना के अंतर्गत औद्यानिकी गतिविधि कैलेंडर जारी किया। कैलेंडर में परियोजना गतिविधियों के सुनियोजित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन का उल्लेख किया गया है। बागवानी मंत्री ने कहा कि यह गतिविधि कैलेंडर परियोजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करेगा तथा किसानों-बागवानों को अपनी बागवानी गतिविधियों को परियोजना सहायता के अनुरूप समन्वित करने में सक्षम बनाएगा। कैलेंडर में हर महीने की गतिविधियों की स्पष्ट रूपरेखा है, जिससे किसानों, फील्ड अधिकारियों, क्रियान्वयन एजेंसियों एवं अन्य हितधारकों को परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की अग्रिम जानकारी प्राप्त होगी। इससे बेहतर योजना निर्माण, प्रभावी समन्वय एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा। एचपी-शिवा परियोजना का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश में क्लस्टर आधारित औद्यानिकी विकास, उच्च घनत्व बागवानी, सिंचाई सुविधाओं, फसल प्रबंधन, मूल्य संवर्धन और बाजार संपर्क को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक बागवानी सतीश कुमार, एचपी-शिवा परियोजना निदेशक देविंद्र ठाकुर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व मंत्री ने की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उप-समिति की दो अलग-अलग बैठकें आयोजित

शिमला। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रिमंडलीय उप-समिति की दो अलग-अलग बैठकें आयोजित की गई। पहली बैठक में बैठक में शिमला शहर से भीड-भाड़ कम करने और सब्जी मंडी लोअर बाजार, अनाज मंडी, टिम्बर मार्केट लक्कड़ बाजार, मैकेनिकल मार्केट कच्ची घाटी और ट्रांसपोर्ट एरिया को अन्य जगह स्थानातंरित करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक में अन्यों के अतिरिक्त आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण एवं नगर नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी, और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने बताया कि कि ढली फोरलेन पर पांच जगहों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जगह का निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। बैठक में शिमला की चार पार्किंग के विवाद पर भी विचार विमर्श किया गया। शहर से भीड़-भाड़ कम करने के लिए पूर्व डिप्टी मेयर टिकेंद्र पंवर ने भी अपने सुझाव रखे। बैठक में मुख्यमंत्री के इन्फ्रास्ट्रक्चर एडवायजर अनिल कपिल, नगर निगम शिमला आयुक्त भूपेंद्र अत्री और संयुक्त सचिव लॉ विवेक ज्योति भी उपस्थित रहे। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी में हिम चंडीगढ़ सिटी बसाने के लेकर गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता भी की। इस बैठक में आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण एवं नगर नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी भी उपस्थित थे।

बद्दी में हिम चंडीगढ़ सिटी बसाने को लेकर उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने विस्तार से प्रस्तुति दी। राजस्व मंत्री को भूमि की सभी मुसाबी भी दिखाई गईं। हिमुडा बहुत जल्द ड्रोन सर्वे से मौसाबी को डिजिटलाइज करेगा।

ग्रामीण क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों के विनियमन को लेकर मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक

शिमला। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण एवं नगर नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह उपस्थित रहे। बैठक में पंचायती राज विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों के विनियमन और विकासात्मक योजना को लेकर सुझाव दिए गए। जिसमें भवनों की ऊंचाई, नदी, नाला और खड्ड से भवन की दूरी, सेट बैक के लिए जगह छोड़ना, ग्रामीण क्षेत्र में लाइन डायाग्राम नक्शा जमा करवाना इत्यादि बिंदुओं पर विस्तार से सुझाव दिए गए। बैठक में सचिव अमरजीत सिंह, निदेशक पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राघव शर्मा और अतिरिक्त निदेशक केवल शर्मा भी मौजूद रहे।

कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने ढगवार मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का किया निरीक्षण, शीघ्र निर्माण पूर्ण करने के दिए निर्देश

धर्मशाला, कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने आज वीरवार को धर्मशाला उपमंडल के ढगवार स्थित मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट परिसर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को संयंत्र के निर्माण कार्य को तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस परियोजना के लिए पूर्ण धनराशि उपलब्ध करवाई जा रही है और निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अत्याधुनिक दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर साबित होगा। संयंत्र की प्रारंभिक प्रसंस्करण क्षमता 1.50 एलएलपीडी (लाख लीटर प्रतिदिन) होगी, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 3.00 एलएलपीडी तक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संयंत्र के क्रियाशील होने से कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, चंबा और ऊना जिलों के लगभग 35,000 से अधिक दुग्ध उत्पादकों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण और वितरण से जुड़े क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भू-तापीय ऊर्जा के दोहन से हरित हिमाचल के लक्ष्य को मिलेगा बल

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने गत सायं शिमला में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 तक राज्य को 'ग्रीन एनर्जी स्टेट' बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके अंतर्गत राज्य की 90 प्रतिशत से अधिक ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से की जाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'व्यवस्था परिवर्तन' के ध्येय के साथ कार्य कर रही है ताकि हिमाचल प्रदेश को स्वच्छ, आत्मनिर्भर और पर्यावरण अनुकूल राज्य के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अब राज्य सरकार भू-तापीय ऊर्जा के उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश पहले से ही जलविद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और अब राज्य जल, सौर तथा भू-तापीय ऊर्जा के समन्वित दृष्टिकोण के माध्यम से कोयला, डीजल और लकड़ी जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भू-तापीय ऊर्जा एक सतत, सुरक्षित और विश्वसनीय नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत सिद्ध हो सकती है, जो राज्य की ऊर्जा सुरक्षा को और सुदृढ़ करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल्लू ज़िला के मणिकरण और कसोल तथा मंडी ज़िला के तत्तापानी जैसे क्षेत्रों में भू-तापीय ऊर्जा की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। इन क्षेत्रों में सतही तापमान 57 से 97 डिग्री सेल्सियस तक पाया जाता है तथा यहां भू-तापीय ग्रेडिएंट भी अधिक है, जिससे ये क्षेत्र न केवल विद्युत उत्पादन बल्कि गर्म जल स्त्रोतों पर आधारित पर्यटन विकास के लिए भी अत्यंत उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक संसाधन का दोहन 'व्यवस्था परिवर्तन' के दृष्टिकोण के अंतर्गत राज्य सरकार की नवाचार-आधारित शासन व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे भू-तापीय विद्युत संयंत्र कुल्लू, मंडी और लाहौल-स्पीति जैसे दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को 24ग्7 विश्वसनीय बिजली उपलब्ध करवाने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। यह ऊर्जा शिमला, मनाली और केलांग जैसे शीत जलवायु वाले नगरों के लिए भी अत्यंत उपयोगी होगी, जहां सर्दियों में हीटिंग और गर्मियों में कूलिंग की निरंतर आवश्यकता रहती है। पर्वतीय क्षेत्रों में भू-तापीय ऊर्जा एक स्थिर बेस-लोड आपूर्ति प्रदान करती है, जो मौसम पर निर्भर नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि भू-तापीय ऊर्जा के उपयोग से लकड़ी और जीवाश्म ईंधनों की खपत में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे वनों की कटाई पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। इसके साथ ही तत्तापानी और मणिकरण जैसे क्षेत्रों में भू-तापीय स्पा, रिजॉर्ट और वेलनेस केंद्रों के विकास से पर्यटन तथा ईको-टूरिज्म को नया प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से ड्रिलिंग और संयंत्र संचालन जैसे क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के लिए रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इसका उपयोग आवासीय और व्यावसायिक भवनों में सर्दियों में हीटिंग तथा गर्मियों में कूलिंग के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त इसका प्रयोग खाद्य पदार्थों के सुखाने और प्रसंस्करण के लिए भी किया जा सकता है, जिससे बिजली की लागत में कमी आएगी और उपभोक्ताओं के बिजली बिल भी उल्लेखनीय रूप से घटेंगे। उन्होंने कहा कि किसान ठंडे क्षेत्रों में भू-तापीय ऊर्जा का उपयोग कर सब्जियों और फूलों की खेती कर सकते हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यद्यपि भारत में भू-तापीय ऊर्जा का अब तक सीमित उपयोग हुआ है, लेकिन हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय और टेक्टोनिक बेल्ट वाले राज्य के लिए यह सौर और पवन ऊर्जा के अतिरिक्त एक भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोत बन सकती है। उन्होंने कहा कि आज विश्व के लगभग 80 देश भू-तापीय ऊर्जा का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं तथा अमेरिका इस क्षेत्र में सबसे बड़ा उत्पादक है, जबकि आइसलैंड, इंडोनेशिया और चीन जैसे देशों ने इसका सफलतापूर्वक दोहन किया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लिए भू-तापीय ऊर्जा ऊर्जा-सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास की दिशा में एक दूरदर्शी और प्रभावी विकल्प सिद्ध होगी।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

हिन्द जनपथ
पंचकूला
शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026

न्यूज डायरी

पंजाब में 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू, यह कदम ऐतिहासिक मील का पत्थर होगा साबित: कुलतार सिंह संधवां

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधान सभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने आज यहां बताया कि पंजाब में 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब या मध्यम वर्गीय परिवार को अब इलाज के लिए वित्तीय तंगियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस योजना के तहत हर पंजाबी को सालाना 10 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। उन्होंने आगे बताया कि मरीज को अस्पताल में एक भी रुपया जमा करवाने की जरूरत नहीं होगी और उनके सारे खर्चों का भुगतान सीधे पंजाब सरकार द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि यह सुविधा केवल सरकारी अस्पतालों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें निजी (सूचीबद्ध) अस्पतालों को भी शामिल किया गया है। यह योजना पंजाब के हरेक निवासी के लिए है। इस योजना के तहत जाति, धर्म या किसी राजनीतिक भेदभाव नहीं होगा।

स्पीकर ने राज्यवासियों को नियमित व्यायाम और योग करने की सलाह भी दी ताकि उनका जीवन अच्छी सेहत और खुशियों से भरपूर रहे।

गणतंत्र दिवस पर चण्डीगढ़ नगर निगम द्वारा समाजसेवी भावना चड्ढा को सम्मानित किया जाएगा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर चण्डीगढ़ नगर निगम द्वारा समाजसेवी भावना चड्ढा को सम्मानित किया जाएगा। चण्डीगढ़ पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (सीपीडीएल) में कार्यरत भावना चड्ढा को यह सम्मान उनके सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके अथक प्रयासों के लिए दिया जा रहा है। वे नियमित रूप से सामाजिक बुराइयों के खिलाफ और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए बाजारों, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों में जागरूकता अभियान चलाती हैं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से चण्डीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में अभी तक 3,000 से अधिक पेड़ लगाए और उनकी देखभाल की है, जिससे हरित पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिला है।

पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग द्वारा सीनियर सेकेंडरी स्कूल मुरादपुरा, जिला अमृतसर की प्रिंसिपल रेखा महाजन को निलंबित करने के आदेश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने आज पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र जारी करते हुए सीनियर सेकेंडरी स्कूल मुरादपुरा, जिला अमृतसर की प्रिंसिपल रेखा महाजन को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन श्री जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि प्रिंसिपल रेखा महाजन द्वारा डी.पी.ई. अध्यापक जोरिंदर सिंह के लिए जातिसूचक शब्दावली का प्रयोग किया गया था। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा गठित दो सदस्यीय कमेटी द्वारा भी रेखा महाजन के खिलाफ शिकायत को सही पाया गया था। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के सचिव को इस मामले में तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं और 29 जनवरी 2026 को केस संबंधी डायरेक्टर सेकेंडरी शिक्षा विभाग से व्यक्तिगत पेशी के दौरान रिपोर्ट मांगी गई है।

आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल को राहत, भाजपा के झूठ का हुआ पर्दाफाश: कुलदीप धालीवाल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को कथित आबकारी नीति मामले से जुड़े इंफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) के एक मामले में बरी किए जाने के फैसले पर 'आप' विधायक एवं मुख्य प्रवक्ता कुलदीप धालीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

धालीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी को नुकसान पहुंचाने के इरादे से अरविंद केजरीवाल को झूठे मामलों में फंसाया था। भाजपा को यह गलतफहमी थी कि केजरीवाल के जेल जाने के बाद आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी न केवल मजबूत बनी हुई है, बल्कि अन्य राज्यों में भी उसका विस्तार हो रहा है। अदालत के फैसले ने सच्चाई को सबके सामने ला दिया है।

कुलदीप धालीवाल ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के समर्थकों को बधाई देते हुए कहा कि भाजपा ने झूठ के बल पर सच्चाई को दबाने की कोशिश की, लेकिन न्यायालय के फैसले से सच सामने आ गया। यह फैसला भाजपा के मुंह पर करारा तमाचा है।

डीपीआईआईटी स्टेट स्टार्टअप रैंकिंग में पंजाब को फिर 'टॉप परफॉर्मर स्टेट' का दर्जा मिला: संजीव अरोड़ा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा कराई गई स्टेट स्टार्टअप रैंकिंग के पाँचवें संस्करण में पंजाब को एक बार फिर श्रेणी 'ए' में 'टॉप परफॉर्मर स्टेट' के रूप में मान्यता मिली है। यह लगातार दूसरी बार है जब राज्य ने शानदार प्रदर्शन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि एक मजबूत और गतिशील स्टार्टअप इकोसिस्टम के निर्माण में पंजाब की निरंतर प्रगति का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

उन्होंने आगे कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन डीपीआईआईटी द्वारा किए गए इस स्टेट स्टार्टअप रैंकिंग अभ्यास का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्टार्टअप इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने हेतु सक्रिय सुधार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। मौजूदा संस्करण में 36 में से 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया, जो नवाचार और उद्यमिता की ओर बढ़ते भारत के प्रयासों और राष्ट्रीय प्राथमिकता को दर्शाता है। इस रैंकिंग में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पाँच समूहों में वर्गीकृत किया जाता है— बेस्ट परफॉर्मर, टॉप परफॉर्मर, लीडर, एस्पायरिंग लीडर और इमर्जिंग स्टेट। 1 जनवरी 2023 से 31 अक्टूबर 2024 की अवधि के दौरान, स्टार्टअप इकोसिस्टम की वृद्धि का मूल्यांकन 6 प्रमुख सुधार क्षेत्रों में प्रदर्शन के आधार पर किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री संजीव अरोड़ा की गतिशील निगरानी में पंजाब ने स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक प्रगतिशील एवं सक्षम नीतिगत वातावरण को प्राथमिकता दी है।

स्टार्टअप पंजाब के माध्यम से, श्रीमती सुरभि मलिक, आईएएस, निदेशक उद्योग एवं वाणिज्य तथा स्टेट स्टार्टअप नोडल अधिकारी, पंजाब के नेतृत्व में स्टार्टअप के लिए राज्य नोडल एजेंसी ने डीपीआईआईटी रैंकिंग अभ्यास में निरंतर भागीदारी की है और लगातार संस्करणों में प्रगति प्रदर्शित की है। श्री के.के. यादव, आईएएस, प्रशासनिक सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य तथा निवेश प्रोत्साहन विभाग ने इस प्रतिष्ठित उपलब्धि पर स्टार्टअप पंजाब टीम को बधाई दी।

डीपीआईआईटी स्टेट स्टार्टअप रैंकिंग संस्करणों में पंजाब का प्रदर्शनः

पहला संस्करण – एसआरएफ 2018: इमर्जिंग स्टार्टअप इकोसिस्टम

दूसरा संस्करण – एसआरएफ 2019: एस्पायरिंग लीडर स्टेट

तीसरा संस्करण – एसआरएफ 2020: लीडर स्टेट

चौथा संस्करण – एसआरएफ 2022: टॉप परफॉर्मर स्टेट

पाँचवां संस्करण – एसआरएफ 2024: टॉप परफॉर्मर स्टेट

स्टार्टअप विकास, नीतिगत निरंतरता और इकोसिस्टम की मजबूती के साथ इस प्रकार निरंतर प्रगति की ओर बढ़ना पंजाब की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पंजाब के उत्कृष्ट प्रदर्शन में योगदान देने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आधारभूत ढांचा सहायता, फंडिंग अवसरों में वृद्धि तथा नवाचार और स्थिरता पर विशेष ध्यान शामिल है।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि राज्य द्वारा स्टार्टअप पंजाब के माध्यम से स्टार्टअप्स को पर्याप्त वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं, जिनमें 3 लाख रुपये की सीड ग्रांट, ऋणों पर ब्याज सब्सिडी और लीज रेंटल रिइम्बर्समेंट शामिल हैं। रैंकिंग अवधि के दौरान 200 से अधिक स्टार्टअप्स को फंडिंग दी गई, जिससे सभी क्षेत्रों में उद्यमशील गतिविधियों को उल्लेखनीय मजबूती मिली है। वर्तमान में पंजाब के 2,000 से अधिक स्टार्टअप डीपीआईआईटी में पंजीकृत हैं, जो राज्य के स्टार्टअप-अनुकूल इकोसिस्टम में बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

स्टार्टअप इंडिया के निदेशक द्वारा स्टार्टअप पंजाब टीम को प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। यह मान्यता पंजाब सरकार द्वारा अपनाई गई सक्रिय नीतियों, प्रभावी कार्यान्वयन और मजबूत सहयोगात्मक दृष्टिकोण की पुष्टि करती है।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि स्टार्टअप पंजाब और व्यापक स्टार्टअप इकोसिस्टम—जिसमें इनक्यूबेटर्स, एक्सेलेरेटर्स, शैक्षणिक संस्थान, उद्योग संगठन, निवेशक, सलाहकार और भागीदार संगठन शामिल हैं—के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। पंजाब सरकार ने भारत में स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में पंजाब को स्थापित करने के उद्देश्य से निरंतर नीतिगत समर्थन, आधारभूत ढांचा विकास, फंडिंग सुविधाएँ और परामर्श पहल के माध्यम से इकोसिस्टम को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस: भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 32 चुनाव प्रबंधन संस्थाओं के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार, जिनके साथ निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित थे, ने आज यहां लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (आईआईसीडीईएम) 2026 के अवसर पर 32 चुनाव प्रबंधन संस्थाओं (ईएमबी) के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

इन द्विपक्षीय बैठकों के दौरान विश्व स्तर पर चुनाव अनुभवों, सर्वोत्तम अभ्यासों और नवीन पहलों पर खुली चर्चा की गई। इन मुलाकातों का उद्देश्य चुनाव प्रबंधन में भारत की लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करना तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतांत्रिक सहयोग को प्रोत्साहित करना था।

विचार-विमर्श के दौरान भारत की ओर से ईएमबी को उनके घरेलू कानूनी ढांचे के अनुसार अपने संबंधित देशों में ईसीआई-नेट जैसा तकनीकी प्लेटफॉर्म विकसित करने में सहयोग की पेशकश की गई। भारत ने इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) के माध्यम से ईएमबी के चुनाव अधिकारियों को प्रशिक्षण सहायता प्रदान करने की भी पेशकश की।

ईसीआई-नेट डिजिटल प्लेटफॉर्म की प्रशंसा करते हुए कई ईएमबी ने अपने देशों में चुनाव प्रक्रियाओं की दक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए समान तकनीकी समाधान अपनाने हेतु भारत के साथ सहयोग में गहरी रुचि दिखाई।

इन द्विपक्षीय बैठकों ने लोकतंत्र और चुनाव शासन के भविष्य पर उच्च-स्तरीय वैश्विक संवाद के लिए उपयुक्त माहौल स्थापित किया। ये बैठकें अंतरराष्ट्रीय आईडीईए की अध्यक्षता के लिए भारत के मुख्य थीम - 'समावेशी, शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाज के लिए लोकतंत्र' को और मजबूती से आगे बढ़ाएंगी।

ये द्विपक्षीय बैठकें मॉरीशस, मैक्सिको, इंडोनेशिया, पुर्तगाल, पेरू, फिलीपींस, दक्षिण अफ्रीका, ट्यूनीशिया, नामीबिया, मंगोलिया, उरुग्वे, एस्टोनिया, बोत्सवाना, कैमरून, भूटान, यूनाइटेड किंगडम, चेक गणराज्य, अल्बानिया, गुआना, उज्बेकिस्तान, फिजी, मालदीव, संयुक्त राज्य अमेरिका, जाम्बिया, जॉर्जिया, किर्गिस्तान, सूरीनाम, सेशेल्स, श्रीलंका, कजाकिस्तान, नाइजीरिया और आयरलैंड की चुनाव प्रबंधन संस्थाओं के साथ की गईं।

भारत में मतगणना केवल प्रक्रियात्मक अभ्यास नहीं, बल्कि संस्थागत विश्वास-निर्माण प्रक्रिया: मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वर्ष 2025 की शुरुआत तक लगभग 991 मिलियन पंजीकृत मतदाताओं के साथ भारत दुनिया के सबसे बड़े और जटिल लोकतांत्रिक अभ्यास को अंजाम देता है। हर वोट की सटीक और पारदर्शी गिनती सुनिश्चित करना ही भारत के चुनावी लोकतंत्र की नींव रहा है।

नई दिल्ली में लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आई.आई.सी.डी.ई.एम.) 2026 में चुनाव प्रक्रिया के महत्वपूर्ण चरण के रूप में मतगणना की महत्ता पर बोलते हुए पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में मतगणना एक मजबूत संवैधानिक आदेश तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और आचरण निर्वाचन नियम, 1961 के अंतर्गत व्यापक कानूनी ढांचे के तहत की जाती है। ये व्यवस्थाएं देश भर में चुनाव परिणामों की घोषणा के दौरान एकरूपता, निरंतरता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करती हैं।

भारत का पेपर बैलट से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएमज़), जो वोटर वेरिफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) प्रणालियों से लैस हैं, की ओर तबदील होने से पारदर्शिता, दक्षता और मतदाता विश्वास में वृद्धि हुई है। मतगणना एक अत्यंत नियंत्रित वातावरण में की जाती है जिसमें गणना केंद्रों की सुव्यवस्थित योजना, गणना के लिए निर्धारित टेबल और उम्मीदवारों या उनके अधिकृत गणना एजेंटों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाती है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब की अध्यक्षता में हुए एक सत्र के दौरान बोलते हुए उन्होंने बताया कि ई.वी.एम. और वी.वी.पी.ए.टी. की सुरक्षा बहु-स्तरीय व्यवस्थाओं द्वारा सुनिश्चित की जाती है, जिसमें सुरक्षित परिवहन, सीलिंग प्रोटोकॉल, 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी और स्ट्रांग रूम में केंद्रीय तथा राज्य सुरक्षा बलों की तैनाती शामिल है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक पूरी निष्पक्षता और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया की निकट निगरानी करते हैं।

'हर वोट मायने रखता है' पर जोर देते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंजाब ने कहा कि वोटों की स्वतंत्र और निष्पक्ष गणना चुनी हुयी सरकार की समानता, समावेश और वैधता के सिद्धांतों को बनाए रखती है। यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं कि बुजुर्ग मतदाताओं, दिव्यांगजनों और हाशिए पर धकेले गए अन्य समूहों का जनादेश भी अंतिम परिणाम में उचित रूप से शामिल हो।

उल्लेखनीय है कि गलत जानकारी, लंबे समय तक गणना के दौरान स्टाफ की थकान, तकनीकी खराबी और मौसम की विपरीत परिस्थितियों जैसी अप्रत्याशित चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग गणना प्रक्रिया की मजबूती बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक्स और तकनीकी सुरक्षा को निरंतर मजबूत करता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में मतगणना केवल एक प्रक्रियात्मक अभ्यास नहीं, बल्कि एक संस्थागत विश्वास-निर्माण प्रक्रिया है, जो लोकतंत्र में लोगों के विश्वास को मजबूत करती है। निर्वाचन आयोग हर नागरिक को यह आश्वासन देने के लिए प्रतिबद्ध है कि उसका वोट सुरक्षित, मूल्यवान है और पूरी ईमानदारी से गिना जाता है।

अंबाला कैंट के बैंक स्क्वेयर में दूसरे चरण के निर्माण को मिली रफ्तार, टेंडर अलॉट करने की प्रक्रिया शुरू : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने बताया कि अम्बाला छावनी में निर्माणाधीन बैंक स्क्वेयर भवन में द्वितीय चरण के निर्माण के कार्य के लिए टेंडर अलॉट करने की प्रक्रिया हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोशन द्वारा शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, नगर परिषद अम्बाला सदर द्वारा बन चुके 55 शोरूम में बैंकों को शिफ्ट करने के लिए ऑक्शन प्रक्रिया को भी शुरू कर दिया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले, राज्य सरकार द्वारा बैंक स्क्वेयर के द्वितीय चरण निर्माण हेतु 64.47 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। वहीं, बैंक स्क्वेयर में पहले चरण का निर्माण कार्य अब अंतिम चरणों में है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी के बैंकों को एक ही छत के नीचे लाने के लिए प्रारंभ की गई बैंक स्क्वेयर परियोजना एक मील का पत्थर साबित होगी। यहां लगभग 32 बैंकों को एक ही छत के नीचे शिफ्ट करने की योजना है। पहले चरण में बने 55 शोरूम में बैंकों को शिफ्ट करने के लिए नगर परिषद द्वारा ऑक्शन प्रक्रिया प्रारंभ की गई है जिसके तहत जल्द यहां बैंकों को शिफ्ट किया जा सके।

द्वितीय चरण में चार मंजिला बिल्डिंग में होंगे कई शोरूम

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि बैंक स्क्वेयर में द्वितीय चरण के तहत पिछली तरफ बनने वाली चार मंजिला बिल्डिंग में 45 शोरूम बनाए जाएंगे। इसके अलावा, यहां पर कार्यक्रम व कांफ्रेंस आदि आयोजित करने के लिए 450 लोगों की क्षमता का ऑडिटोरियम बनेगा। इसके अतिरिक्त रूफ टॉप पर फूट कोर्ट बनाएं जाएंगे जहां लोग खाने-पीने का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के लिए टेंडर अलॉट करने की प्रक्रिया को प्रारंभ कर दिया गया है।

गौरतलब है कि मंत्री अनिल विज के प्रयासों से 3.97 एकड़ में बैंक स्क्वेयर कम शापिंग मॉल भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। पहले चरण के कार्य के तहत लगभग 111 करोड़ रुपए की लागत से आगे बन रहे तीन मंजिला भवन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। पहले और दूसरे चरण में कुल 100 शोरूम का निर्माण हो रहा है।

प्रथम चरण में बने बैंक स्क्वेयर में यह कार्य हुए

- बैंक स्क्वेयर में प्रथम चरण के तहत बन रही तीन मंजिला बिल्डिंग में बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर 325 से अधिक वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग सुविधा होगी।
- बेसमेंट व ग्राउंड फ्लोर पर एचवीएसी प्लांट रूम, पम्प हाउस, लिफ्ट, इलेक्ट्रिकल पैनल रूम, लिफ्ट, सीढ़िया व अन्य सुविधाएं होगी।
- तीन मंजिला भवन के प्रथम तल पर 21 शोरूम, महिला व पुरूष के लिए दो-दो पब्लिक टॉयलेट, इलेक्ट्रिक पैनल रूम, चार लिफ्ट व सीढ़ियां होगी।
- दूसरी मंजिल पर 18 शोरूम, महिला व पुरूष के लिए दो-दो पब्लिक टॉयलेट, इलेक्ट्रिक पैनल रूम, चार लिफ्ट, सीढ़ियां व अन्य सुविधा होगी।
- तीसरी मंजिल पर 16 शोरूम, महिला व पुरूष के लिए दो-दो पब्लिक टॉयलेट, इलेक्ट्रिक पैनल रूम, चार लिफ्ट, सीढ़ियां व अन्य सुविधा होगी।

स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने वाला पंजाब बना देश का पहला राज्य – मोहिंदर भगत

हिन्द जनपथ
जालंधर(ब्यूरो)। पंजाब के रक्षा सेवाएं कल्याण, बागवानी और स्वतंत्रता सेनानी मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राज्यवासियों को मानक और मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की नई पहल की शुरुआत की गई है जो लोगों के लिए वरदान सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री, पंजाब श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई इस पहल से हर व्यक्ति को 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा का लाभ मिलेगा।

श्री भगत ने आगे बताया कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने वाला पंजाब देश भर में पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा योजना से लोगों को स्वास्थ्य देखभाल में बहुत बड़ा लाभ मिलेगा और वे बिना किसी परेशानी के अपना मुफ्त इलाज करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई यह नई पहल राज्यवासियों के लिए वरदान सिद्ध होगी और इस स्कीम के तहत 10 लाख रुपये के इलाज तक का सारा खर्च पंजाब सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्यवासी जिसके पास पंजाब का आधार कार्ड या वोटर कार्ड है, इस योजना का लाभ ले सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगाए जा रहे मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना स्वास्थ्य कार्ड रजिस्ट्रेशन कैंपों का अधिक से अधिक लाभ उठाना यकीनी बनाएं।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआई-नेट का शुभारंभ

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आज लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) 2026 के दौरान चुनावों से संबंधित सभी जानकारियों और सेवाओं के लिए अपने वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआई-नेट का शुभारंभ किया। यह तीन दिवसीय सम्मेलन 21 से 23 जनवरी, 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है।

ईसीआई-नेट की संकल्पना भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा की गई थी और इसके डिजाइन की घोषणा मई 2025 में की गई थी।

ईसीआई-नेट के लॉन्च के अवसर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने बताया कि इस प्लेटफॉर्म को कानूनों के सख्त अनुपालन के तहत विकसित किया गया है और यह 22 भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध है। उन्होंने दुनिया भर की चुनाव प्रबंधन संस्थाओं को अपने-अपने देशों के कानूनों के अनुरूप, अपनी संबंधित भाषाओं में ऐसे ही डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए भारत के साथ सहयोग करने की पेशकश की है।

निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने कहा कि ईसीआई-नेट चुनाव प्रबंधन संस्थाओं के प्रति विश्वास बनाए रखने का एक अत्यंत प्रभावी माध्यम है, क्योंकि यह अधिक पारदर्शिता लाने, समग्र प्रक्रियाओं की निगरानी, त्वरित निर्णय लेने तथा सूचना के प्रभावी प्रसार में सहायता करता है। निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि यह सम्मेलन चुनाव प्रबंधन संस्थाओं (ईएमबीज़) को प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचारों को अपनाने से जुड़े वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यासों से सीखने का अवसर प्रदान करेगा।

अपनी प्रस्तुति के दौरान महानिदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) डॉ. सीमा खन्ना ने कहा कि साइबर सुरक्षा ईसीआई-नेट के प्रमुख स्तंभों में से एक है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी अब केवल एक सहायक साधन नहीं रही, बल्कि एक रणनीतिक उपकरण बन चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि ईसीआई-नेट चुनावों में पारदर्शिता, दक्षता, विश्वसनीयता और जनता के विश्वास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

ईसीआई-नेट दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव सेवा प्लेटफॉर्म है, जो भारत निर्वाचन आयोग के 40 से अधिक ऐप्स और पोर्टलों को एकीकृत कर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सभी चुनावी सेवाओं को एक सहज अनुभव में समाहित करता है। इस प्लेटफॉर्म को भारत के संविधान, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक पंजीकरण नियम 1960 तथा निर्वाचन संचालन नियम 1961 के सख्त अनुपालन में विकसित किया गया है।

ईसीआई-नेट नागरिकों, उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और चुनाव अधिकारियों को एक ही मंच पर जोड़ता है तथा मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची खोज, आवेदन की ट्रैकिंग, अपने उम्मीदवार को जानना, चुनाव अधिकारियों से संपर्क, बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओज़) के साथ कॉल का समय तय करना, ई-ईपीआईसी डाउनलोड करना, मतदान रुझान और शिकायत निवारण जैसी प्रमुख सेवाएँ एक सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है।

इस प्लेटफॉर्म का बीटा वर्ज़न वर्ष 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था, जिससे निर्वाचन आयोग को नागरिक-केंद्रित चुनाव सेवाएँ और एक बटन के क्लिक पर चुनाव संबंधी समस्त जानकारी उपलब्ध कराने में और अधिक सशक्त बनाया गया।

चौधरी छोटूराम का जन्मदिन एवं बसंत पंचमी महोत्सव 23 को मनाया जाएगा

पंचकूला : जाट सभा, पंचकूला-चण्डीगढ़ द्वारा किसानों के मसीहा दीनबंधु चौधरी छोटूराम का 145वां जन्मदिन एवं बसंत पंचमी महोत्सव 23 जनवरी को यहां सेक्टर 6 स्थित चौधरी छोटूराम जाट भवन में मनाया जाएगा। इस अवसर पर हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे जबकि अध्यक्षता जम्मू एवं कश्मीर के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सतीश शर्मा करेंगे। ये जानकारी संस्था के कार्यालय सचिव प्रेम सिंह ने दी। इस संबंध में जानकारी देते हुए जाट सभा, पंचकूला-चण्डीगढ़ के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह मलिक (पूर्व डीजीपी, हरियाणा पुलिस) ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह, भाजपा हरियाणा की उपाध्यक्ष श्रीमती बन्तो कटारिया विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल होंगे।

बेदखली सूचना

मैं, सतपाल धीमान, पुत्र संत राम, निवासी # 851, सेक्टर-19 पंचकूला, हरियाणा, यह घोषणा करता हूँ कि मेरा बेटा संजीव कुमार, जिसकी उम्र 37 साल है, मेरे काबू से बाहर है। इसलिए मैं उसे अपनी ज़िंदगी और अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल करता हूँ। अगर कोई उसके साथ कोई लेन-देन करता है, तो उसके लिए मैं ज़िम्मेदार नहीं हूँगा।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

वरि. मंडल विद्युत अभियंता / क.वि. / उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए ई–टेंडरिंग के माध्यम से निविदाये आमंत्रित करते है। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड किया जा सकता है। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि	लगभग लागत	धरोहर राशि	कार्य पूरा करने की अवधि	वैधता अवधि	टेण्डर फॉर्म की कीमत
1	ETrU-T-08-2025-26-02	अंबाला डिवीजन में RDSO निर्देश संख्या TI/IN/0048 या लेटेस्ट के अनुसार मौजूदा SCADA सिस्टम में साइवर सुरक्षा लागू करने हेतु कार्य।	13.02.2026	₹ 7,56,16,192/-	₹ 5,28,100/-	09 महीने	60 दिन	downloading through IREPS portal-NIL (₹ 10,000/- Sr.DEE/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)

1. निविदाकार को सभी जरूरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है।
2. निविदाकार के पास ई–निविदा में भाग लेने के लिए क्लास III Digital Signature Certificate होनी चाहिए।
3. कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होगे।
4. कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागु है एवं इस प्रकार है: **"Railway Board/RDSO Guideline for eligibility criteria to be followed" OR "Interfacing of numerical relays to SCADA system through serial communication port based on IEC Protocol.**
5. टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाये।

संख्या. **ETrU-T-08-2025-26-02** दिनांक **: 22.01.2026** **237/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

लाचार व्यवस्था या संवेदनहीन प्रशासन

हादसे किसी चूक का नतीजा हो सकते हैं, लेकिन यह संभव है कि इसकी पृष्ठभूमि में ऐसी व्यवस्थागत लापरवाहियां हों, जिनकी आमतौर पर अनदेखी कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 150 में शनिवार तड़के घने कोहरे के कारण एक कार पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में सत्ताईस वर्षीय युवक की जान चली गई।इसे रोजाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की तरह देखा जा सकता है, लेकिन हादसे के बाद युवक की मौत से पहले जैसी स्थिति सामने आई, उससे साफ है कि आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने के लिए गठित तंत्र किस दुर्दशा और लापरवाही का शिकार है। इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या हो सकता है कि पानी से भरे गड्ढे में अपनी कार के साथ फंसा एक युवक करीब डेढ़ घंटे तक मोबाइल की रोशनी के साथ जान बचा लेने की गुहार लगाता रहा और मौके पर मौजूद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल तथा दमकल विभाग का दल वहीं खड़ा अपनी लाचारगी का रोना रोता रहे। खबरों के मुताबिक, बचाव दल के पास तैराक और पर्याप्त वैकल्पिक संसाधन नहीं थे।

जाहिर है, युवक की मौत की मुख्य वजह हादसे के बजाय संबंधित महकमों की घोर लापरवाही, बचाव दल की अक्षमता और अपर्याप्त संसाधन थी। यह कल्पना भी तकलीफदेह है कि किसी आपदा या आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के साथ ज्यादा से ज्यादा इंसानी जान को बचाने के लिए गठित दलों की मौजूदगी के बावजूद एक युवक की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद ऐसे आरोप भी सामने आए कि कुछ दिन पहले वहां एक ट्रक भी हादसे का शिकार हुआ था। वहां इसी तरह की दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई थी और स्थानीय लोगों ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग भी की थी। मगर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी और विभाग को इसकी जरूरत महसूस नहीं हुई कि वहां मजबूत घेरा और जोखिम के मद्देनजर संकेतक लगवा दिया जाए।

ट्रंप के दूत ने ऐलान किया है कि अमेरिका भारत को सबसे ताकतवर ग्रुप में शामिल करने वाला है। जी हां, अमेरिका ने भारत को अपनी सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी टेक्नोलॉजी रणनीति पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया है। 12 जनवरी को सुबह शेयर मार्केट खुला और देखते ही देखते सेंसेक्स धड़ाम से नीचे गिर गया। इन्वेस्टर्स के चेहरे उतर गए। अब क्या होगा? टाइप बातें चलने लगी। लेकिन दोपहर के 1:00 बजते ही लगा जैसे किसी ने स्विच दबा दिया। सेंसेक्स में अचानक उछाल आ गया। मार्केट ने यू टर्न लिया और फिर गिरावट गायब। फिर सवाल आया कि अचानक ऐसा हुआ कैसे? तो वजह पता चली अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गर ने एक बयान दिया है।

लड़ाई-लड़ाई माफ करो! ट्रंप ने मानी हार, सबसे ताकतवर ग्रुप में भारत को किया शामिल

(अभिनय आकाश)

12 जनवरी को नई दिल्ली में अपना पदभार संभालने के बाद सर्जियो ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी देश कोई और नहीं है। जिसके बाद से चर्चाएं तेज हो गई। कहा जाने लगा कि अमेरिका और भारत के रिश्तों में आज एक ऐसा मोड़ आया है जिसे 21वीं सदी की टेक्नोलॉजी पॉलिटिक्स का गेम चेंजर कहा जा रहा है। वही ट्रंप जिन्होंने टेरिफ की वजह से भारत के साथ अपने रिश्तों में खटास पैदा कर ली थी अब उसे सुधारने की कोशिश में जुट गए हैं। कोशिश इसलिए क्योंकि ट्रंप के दूत ने ऐलान किया है कि अमेरिका भारत को सबसे ताकतवर ग्रुप में शामिल करने वाला है। जी हां, अमेरिका ने भारत को अपनी सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी टेक्नोलॉजी रणनीति पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया है। यह वही रणनीति है जो आने वाले समय में यह तय करेगी कि दुनिया में चिप्स कौन बनाएगा। एआई पर किसका कंट्रोल होगा और भविष्य की टेक्नोलॉजी किसके भरोसे रहेगी। तो सवाल यह है पैक सिलिका क्या है? डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को इसमें क्यों चुना? भारत को इससे क्या फायदा मिलेगा? और सबसे अहम सवाल इससे किस देश को सबसे ज्यादा मिर्ची लगेगी? सभी सवालों का आज एमआरआई स्कैन करेंगे।

बेसिकली पैक्स सिलिका एक न्यूली लॉन्च्ड यूएस लेड इंटरनेशनल कोलेशन है। अमेरिका ने इसे 12 दिसंबर 2025 को शुरू किया था। जापान, साउथ कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, ब्रिटेन, ईयू, इजरायल और ऑस्ट्रेलिया इसका हिस्सा है। एक प्रकार से ट्रस्टेड सिक्योर और इनोवेशन ड्रिवन ग्लोबल सप्लाई चेन को बिल्ड किया जा रहा है। मतलब एक सप्लाई चेन दुनिया भर में बिल्ड किया जा रहा है अलग-

अलग देशों के साथ मिलकर। ताकि जो टेक्नोलॉजीस और मटेरियल हैं जो 21 सेंचुरी में 21 सेंचुरी की इकॉनमी में बहुत ज्यादा हेल्पफुल होते हैं। उदाहरण के लिए हम बात करते हैं सेमीकंडक्टर्स की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एडवांस मैन्युफैक्चरिंग की। तो इसमें जो मटेरियल्स का इस्तेमाल होता है, जो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है, उसका सप्लाई चेन सिक्योर हो सके। वो ट्रस्टेड और सिक्योर तरीके से आए। और इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चीन जिस तरह से अभी चीजें की थी। गौरतलब है कि क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई के ऊपर रोक लगा दिया था। पूरी दुनिया खतरे में आ रही थी। क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई है, प्रोसेसिंग है, ये सब कुछ में चीन डोमिनेट करता है। अमेरिका को भी इस बात का डर हो गया कि चीन तो कभी भी इस चीज को रोक सकता है, इसका फायदा उठा सकता है। अब अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, भारत को भी शामिल किया जाएगा। अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत को अमेरिका की अगुवाई वाली रणनीतिक पहल पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। इस का मकसद दुनिया की सिलिकॉन और तकनीकी सप्लाई चेन को सुरक्षित, मजबूत, आधुनिक बनाना है। इसमें अहम खनिज, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, दृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर लॉजिस्टिक्स और जुड़ी तकनीकें शामिल हैं।

आज की आधुनिक तकनीकें जैसे एआई, 5 जी, डेटा सेंटर, रोबॉटिक्स, सेमीकंडक्टर सिलिकॉन और दूसरे अहम खनिजों पर टिकी हैं। अभी इनका बड़ा हिस्सा चीन के नियंत्रण में है। पैक्स सिलिका का मकसद इसी निर्भरता को कम करना है। इसके तहत भरोसेमंद देशों के साथ मिलकर सप्लाई चेन मजबूत की जाएगी। संसाधन, तकनीक और निवेश को साझा किया जाएगा। साथ ही एआई और नई तकनीकों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद नेटवर्क तैयार किए जाएंगे।

लैटिन वर्ड है पैक्स। पैक्स का मतलब होता है पीस। मतलब कि चीजों को स्टेबल करना। एक प्रकार से जो इकोनॉमिक इंटरेस्ट है सबके जिन-जिन देशों के आपस में इकोनॉमिक इंटरेस्ट शेयर होते हैं वहां पर कोऑपरेटिव तरीके से चीजों को बिल्ड करना। तो पीस लेकर आना और सिलिका सिलिका तो सिंपल सी बात है सिलिकॉन की हम बात कर रहे हैं जो क्रिटिकल मिनरल्स हैं। जो कि सेमीकंडक्टर सोलर पैनल एआई चिप्स मॉडर्न टेक्नोलॉजी हर चीज में इस्तेमाल किया जाता है। तो एक प्रकार से ये कोलेशन फॉर पीस है जहां पर इकोनॉमिक और टेक्नोलॉजिकल कोपरेशन के थ्रू ये लाने की कोशिश की जा रही है। मतलब दुनिया भर में शांति लाने की कोशिश की जा रही है टेक्नोलॉजी और इकोनॉमिक कोपरेशन के थ्रू। गोर ने ऐलान किया कि भारत को अगले महीने इस पहल में शामिल किया जाएगा, जिससे भारत-अमेरिका तकनीकी और सप्लाई चेन सहयोग को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा। यह कदम विशेष रूप से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की भूमिका को मजबूत करने में मदद करेगा।

इसके जरिए अमेरिका एक नई तरह की आर्थिक सुरक्षा रणनीति बना रहा है, जिसमें टेक्नोलॉजी, देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था आपस में जुड़ी होंगी। यह कोई पारंपरिक सैन्य गठबंधन नहीं है, बल्कि तकनीक और उद्योग पर आधारित साझेदारी है। इसका उद्देश्य मिलकर प्रोजेक्ट करना, निवेश करना और रिसर्च करना है, ताकि एक भरोसेमंद टेक इकोसिस्टम बने और चीन के बढ़ते दबदबे को संतुलित किया जा सके।

एआई और हाईटेक पर चीन की पकड़ कमजोर होगी। यही वजह है कि पैक सिलिका को अक्सर चीन के टेक एकाधिकार के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। कुल मिलाकर देखा जाए तो पैक सिलिका सिर्फ एक टेक्नोलॉजी अलायंस नहीं बल्कि भविष्य की शक्ति संतुलन की लड़ाई है और इस लड़ाई में भारत अब सिर्फ दर्शक नहीं बल्कि मुख्य खिलाड़ी बन चुका है। अमेरिका के साथ यह नई साझेदारी भारत को टेक्नोलॉजी, रोजगार और रणनीतिक ताकत तीनों मोर्चों पर नई ऊंचाई पर ले जा सकती है। दोनों नेताओं की दोस्ती अब चिप्स और एआई की दुनिया में बदल रही है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

ममता बनर्जी को केंद्र सरकार से टकराने का बहाना चाहिए

(योगेंद्र योगी)

ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला। पश्चिम बंगाल देश के लिए ऐसा राजनीतिक अखाड़ा बन चुका है। इससे होने वाले राष्ट्रव्यापी नुकसान की ममता बनर्जी सरकार को परवाह नहीं है। ममता बनर्जी का तौर–तरीका ऐसा बन चुका है मानो पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं होकर एक स्वतंत्र देश हो। ममता किसी न किसी मुद्दे पर केंद्र सरकार से टकराती रही हैं। एक भी मौका केंद्र से टकराव का नहीं छोड़ती है और फिर खुद ही लोकतंत्र खतरे में है का नारा देकर सिर पर आसमान उठा लेती है। नया मामला प्रवर्तन निदेशालय के छापे की कार्रवाई का है। ईडी ने पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट पहुंच गई। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी चुनाव से पहले उनकी पाटी तृणमूल कांग्रेस के संवेदनशील दस्तावेज जब्त कर राजनीतिक प्रतिशोध कर रही है। पुलिस ने ममता बनर्जी की शिकायत पर ईडी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर औपचारिक जांच शुरू कर दी। यह मुद्दा कलकत्ता हाईकोर्ट तक गया। कलकत्ता हाइकोर्ट ने रेड मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ईडी ने आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। एजेंसी का कहना था कि पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज कर दी।

अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर भारतीय न्याय संहिता के तहत 17 अपराधों की सीबीआई जांच की मांग की। याचिका में ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने ईडी की रेड में न सिर्फ बाधा डाली बल्कि अधिकारियों को डरा-धमकाकर सबूतों से छेड़छाड़ की। ममता सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि यह मामला चुनावों के बीच उठाया गया है और इससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है। ईडी चुनावी डेटा चुराने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सवाल किया, क्या लॉर्डशिप को लगता है कि हाईकोर्ट न्याय नहीं कर सकता? इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, कृपया हमारे मुंह में शब्द न डालें। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले को गंभीर करार दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह एक गंभीर मामला है। हम इस पर परीक्षण करेंगे। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी करने का संकेत दिया। अम्फन तूफान को लेकर गृह मंत्री के साथ झगड़ा शामिल है। इस क्रम में बंगाली प्रवासी मजदूरों को लेकर केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव को कौन भूल सकता है। बंगाल की सीमा पर नेपाल, बांग्लादेश और भूटान से आने वाले ट्रकों को लेकर भी केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव हुआ था। हुगली के तेलिनीपाड़ा में हुए दंगे को लेकर सोशल मीडिया में सवाल उठाने पर बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय के खिलाफ हुई रिपोर्ट पर राज्य पुलिस ने सांसद अर्जुन सिंह और लॉकेट बनर्जी समेत कई नेताओं पर मामले दर्ज कर एक और टकराव को जन्म दिया था। टकराव की इस कड़ी में नया मामला पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति का है।राज्य के मौजूदा डीजीपी राजीव कुमार का कार्यकाल इसी महीने 31 जनवरी को खत्म हो रहा है। यूपीएससी ने ममता सरकार को एक बहुत बड़ा झटका दिया। आयोग ने राज्य सरकार द्वारा भेजी गई आईपीएस अधिकारियों की लिस्ट को वापस लौटा दिया। यूपीएससी ने राज्य सरकार की सिफारिश को तकनीकी और कानूनी आधार पर रिजेक्ट कर दिया। दरअसल राज्य सरकार ने नए डीजीपी के चयन के लिए कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भेजे थे। लेकिन आयोग ने इस लिस्ट पर विचार करने से ही इनकार कर दिया। यूपीएससी का कहना है कि पुरानी प्रक्रियाओं में कई खामियां छोड़ी गई थीं। इसके चलते वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया को सही नहीं माना जा सकता है। नियमों के मुताबिक सरकार को एक तय समय सीमा के भीतर यह लिस्ट भेजनी चाहिए थी। यूपीएससी ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से परमिशन लेनी चाहिए। अब यह मामला कानूनी पेचीदगियों में बुरी तरह फंसता नजर आ रहा है। सरकार के सामने अब कोर्ट जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। पूर्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री आगवानी तक के लिए नहीं आई और ना ही बैठक में शामिल हुई। पीएम का दौरा तूफान यास से हुए नुकसान का आकलन करना था। ओडिशा और बंगाल का दौरा तय हो जाने के बाद, दोनों मुख्यमंत्रियों को साथ ही समय बताया गया था। लेकिन ओडिशा ने उस कार्यक्रम के सभी प्रोटोकॉल का पालन किया जबकि वो पीएम के बंगाल के दौरे से पहले था। ममता बनर्जी का आरोप था कि उन्हें पीएम मोदी का इंतजार करना पड़ा। जबकि पीएम को ही ममता का इंतजार करना पड़ा। पीएम के इंतजार करने की बात तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद के ट्वीट से भी पुख्ता हुई थी। ममता बनर्जी अपने हेलीकॉप्टर से उतरकर बैठक की जगह पहुंची जो कि हेलीपैड से सिर्फ 500 मीटर दूर था। पीएम से मिलकर वो 14.35 पर वापस भी चली गयीं। इसलिए वो सिर्फ 500 मीटर चलीं और 25 मिनट में वापस चली गईं। उनका पहले वापस जाना भी प्रोटोकॉल के खिलाफ था। इसलिए बंगाल सरकार का ये दावा गलत है कि ममता ने इंतजार किया बल्कि इसके उलट पीएम को ही इंतजार करना पड़ा था। दूसरे राज्यों में भी गैरभाजपा सरकारें हैं, किन्तु जिस तरह का विरोध ममता सरकार की तरफ से केंद्र का किया जाता रहा है, उससे साफ जाहिर है कि संविधान में मौजद केंद्र के अधिकारों की उसे परवाह नहीं है। ममता का विरोध ज्यादातर मुद्दों पर कानूनी कम और राजनीतिक ज्यादा नजर आता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5982

संकेतः बाएं से दाएं
1. मध्यप्रदेश की एक औद्योगिक बस्ती जो अपने अखबारी कागज मिल के लिए प्रसिद्ध है (5)
5. कच्चे आम या इमली का बना खट्ठा-मीठा पेय पदार्थ (2)
7. कुलबुलाहट, कुलबुलाने का भाव (4)
8. यह विश्व का सबेस बड़ा लोकतांत्रिक देश है (3)
9. यह अरब का एक प्रायद्वीप है जिसकी राजधानी दोहा है (3)
11. निग्रह, दो की संख्या (2)
13. वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के सुअवसर पर लिखा जाए (5)
15. वेतन, पगार, निश्चित अवधि में मिलने वाला पारिश्रमिक शुल्क (4)
17. गणित में से संख्याओं का योग (3)
19. हिम्मत, पराक्रम, बहादुरी (3)
21. रजनीमुख, संध्याकाल, सांझ (2)
23. दिल या मन के अंदर ही, चुपचाप (5)
25. ख्याति, शोहरत, प्रसिद्धि (2)

ऊपर से नीचे
1. ईमानदार और सच्चा (5)
2. नाव के मस्तूल से बांधा जाने वाला कपडा (2)
3. लवण, नोन (3)
4. बात या सही अर्थ न समझना (6)
5. शलभ, पतंग, टिड्डा (4)
6. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
10. प्रवृत्तिशील, ध्यानमग्न (1)
12. मन को रिझाने वाला (5)
14. घी, जौ, तिल आदि को मंत्र पढ़ते हुए अग्नि में डालने का कृत्य (3)
15. यह गौतम बुद्ध की माता का नाम था (2)
18. एशिया महाद्वीप में स्थित देश जिसके निकटतप पडौसी देश, चीन कोरिया तथा रूस है (3)
19. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
20. हस्ताक्षर, यथार्थ, दस्तखत (2)
21. कंधा, जुलाहे की कूंची (2)
22. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)

वर्ग पहेली 5981 हल

ने	पा	ल	■	क	ना	डा	■
की	म	त	■	मा	न	क	■
औ	■	खो	ल	ना	■	घ	ना
र	फ्ता	र	■	■	प	र	म
ब	■	■	अ	न	र्थ	■	क
दीं	वा	ने	खा	स	■	त	र
■	■	म	त	■	ख	म	ण
बे	रू	त	■	फ	र	सा	■

सर्दियों में महिलाओं को क्यों घेरता है यूटीआई, बचाव के ये 5 जरूरी टिप्स

(अनन्या मिश्रा)

क्या आप जानते हैं कि मौसम में बदलाव होने की वजह से भी यूटीआई का खतरा हो सकता है। सर्दियों में महिलाओं में यूटीआई का खतरा बढ़ जाता है। सर्दियों की शुरूआत से ही हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव नजर आने लगते हैं।

यूटीआई महिलाओं में होने वाली आम समस्याओं में से है। लगभग हर महिला को कभी न कभी यूटीआई यानी यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन ने जरूर परेशान किया होगा। हालांकि इसके पीछे कई वजह हो सकती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मौसम में बदलाव होने की वजह से भी यूटीआई का खतरा हो सकता है। सर्दियों में महिलाओं में यूटीआई का खतरा बढ़ जाता है। सर्दियों की शुरूआत से ही हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव नजर आने लगते हैं। इससे स्किन रूखी हो जाती है, एड़ियां फटने लगती हैं, होंठ फटने लगते हैं, प्यास कम लगती है और सर्दी-जुकाम भी परेशान करने लगता है। सर्दियों के मौसम में यूटीआई के मामले ज्यादा देखने को मिलता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम इस मौसम में यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन क्यों बढ़ जाता है और किन टिप्स से इस समस्या से बचा सकता है। आपने महसूस किया होगा कि जब टेंपरेचर गिरने लगता है, तो ठंड अधिक बढ़ जाती है। जिस कारण बार-बार यूरिन आता है। हालांकि यह कोई इत्तेफाक नहीं है। सर्दियों में हमें पसीना भी कम आता है, यानी की त्वचा से फ्ल्यूड कम बाहर निकलता है। इसकी भरपाई के लिए फ्ल्यूड यूरिन के माध्यम से बाहर निकलने लगता है। इस दौरान यूटीआई का खतरा अधिक बढ़ जाता है। क्योंकि सर्दियों के मौसम में हम पानी कम पीते हैं, जिस कारण यूरिन गाढ़ा होने लगता है और बैक्टीरिया बढ़ने लगता है। वहीं सर्दियों में इम्यूनिटी कम हो जाती है, जिसकी वजह से इंफेक्शन से लड़ने की शरीर की क्षमता कम होने लगती है। इससे बैक्टीरिया ज्यादा पनपने लगते हैं। इस मौसम में स्किन ड्राई हो जाती है और यह भी यूटीआई के खतरे को बढ़ा सकता है। इस सभी कारणों से सर्दियों में यूरिन इंफेक्शन ज्यादा परेशान करता है।

ऐसे करें बचाव

यूरिन को होल्ड करने से बचना चाहिए।

वहीं पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, जिससे कि बैक्टीरिया को पनपने का मौका नहीं मिलेगा।

यूरिन पास करने के बाद इंटिमेट एरिया को अच्छे से वॉश करना चाहिए।

ज्यादा अधिक टाइट कपड़े नहीं पहने चाहिए।

हल्की और हेल्दी डाइट लेना चाहिए। डाइट में इम्यूनिटी मजबूत करने वाली चीजों को शामिल करना चाहिए। सर्दियों में यूटीआई का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। क्योंकि इस मौसम में प्यास कम लगती है और इस कारण हम पानी कम पीते हैं। इसके कारण भी यूरिन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। यूरिन रोकने की वजह से भी ऐसा हो सकता है। इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें।

आज का राशिफल

मेष
आज महत्वाकांक्षी प्रकृति वाले जातकों के लिए दिन शुभ फलदायक रहेगा। यात्रा सामान्य लाभप्रद रहेगी। दोपहर बाद उच्च अधिकारी से वाद विवाद होने से कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है। सायंकाल के समय योजना पूर्ति से लाभ होगा। अतिथि आगमन से खर्च बढ़ने की संभावना नजर आ रही है।

वृष
आज कार्यक्षेत्र में दिन थोड़ा परेशान करने वाला रह सकता है। ऐसे में अधिकारी से या व्यवसाय क्षेत्र में व्यापारी से अनबन हो सकती है। अपने कार्य कौशल से आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। घर गृहस्थी के उपयोग की कोई प्रिय वस्तु खरीदी जाएगी। शुभ व्यय भी होगा।

मिथुन
आज का दिन परिजन बिछोह से मन को दुखित करेगा। राजनीतिक गतिविधियों में भी रुकावट रहेगी। अपराह्न के बाद नवनिर्माण की रूपरेखा बनेगी। अच्छे और नेक काम करने से पुण्य मिलेगा और आपको मनचाही सफलता प्राप्त होगी।

कर्क
आज का दिन भाग्योदय कारक है। ऐसे में जीवन साथी एवं व्यापार में साझेदारों का सहयोग मिलेगा। सत्कार्यों में रुचि बनी रहेगी। नौकरी पेशा वर्ग को उन्नति मिल सकती है। मन को शांति मिलेगी।

सिंह
आज का दिन मिश्रित फलकारक रहेगा। समाज में स्वच्छ छवि का निर्माण होगा। चल रहे सम्यक कार्यों में सजगता बरतें। इस दौरान आपको पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। एकादश घर में मिथुन राशि का बृहस्पति उच्च फलकारक है।

कन्या
आज का दिन संपत्ति के देने वाले हैं। ऐसे में समाज में आपकी राज्य–मान–प्रतिष्ठा में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ने से कुछ असहज स्थिति उत्पन्न हो सकती है, घबराये नहीं।

तुला
आज सांसारिक सुख भोगों की वृद्धि कर रहा है। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। सतर्क रहें।

वृश्चिक
आज लोगों का आधा दिन परोपकार करने में बीतेगा। दूसरों की सहायता करने से जो आत्म संतुष्टि आपको प्राप्त होती है। उसकी तुलना अन्य किसी सांसारिक सुख से नहीं हो सकती। ऑफिस में आपके अधिकारों में वृद्धि होने के कारण साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है।

धनु
आज मंगल पारिवारिक अशांति तथा आस–पास के वातावरण को विपरीत बना सकता है। किन्तु आप अपने धैर्य और मृदु व्यवहार से वातावरण को हल्का करने में कामयाब होंगे। अपने प्रिय व्यक्ति की मदद करने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रात्रि का समय मनोविनोद में बीतेगा।

मकर
आज किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा। घर में पत्नी या किसी संतान की अचानक तबीयत खराब होने से टेंशन हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करते समय या गाड़ी चलाते समय इसे अपने ऊपर हावी न होने दें। दोस्ती में किसी स्पेशल स्कीम का हिस्सा न बनें, जोखिम के कामों से दूर रहें।

कुंभ
आज किसी महान सफलता का हर्ष होगा। बड़ी मात्रा में रुपया हाथ में आने से संतोष होगा। दिन के उत्तरार्ध में पिछले चार दिनों से पत्नी से चला आ रहा मन–मुटाव भी समाप्त हो जाएगा। कहासुनी को बातचीत से सुलझा लें। रात्रि का समय सैर सपाटे में व्यतीत करें।

मीन
आज संतान पक्ष से संतुष्टि व हर्ष दायक है। खास तौर पर युवाओं के लिए दिन अच्छा रहेगा। जिन यंगस्टर्स ने अभी अपने कैरियर की शुरूआत की है, उन्हें आज अपने ऑफिस में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सायंकाल से रात्रि का समय भी मेल–मिलाप में बीतेगा।

आरबीआई बुलेटिनः भविष्य के लिए उम्मीद जगाती है जीडीपी की मौजूदा स्थिति

सुधारों से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की गति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति भविष्य के लिए खुशनुमा उम्मीद जगाती है।साथ ही, वैश्विक जोखिम और नीतिगत अनिश्चितताओं के बावजूद देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आरबीआई ने बुधवार को जारी जनवरी बुलेटिन में कहा, वर्ष 2026 की शुरुआत वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों से हुई।इनमें वेनेजुएला में अमेरिकी हस्तक्षेप, पश्चिम एशिया में तनातनी, रूस-यूक्रेन शांति समझौते को लेकर अनिश्चितता और ग्रीनलैंड विवाद शामिल हैं। इन घटनाओं से वैश्विक जोखिम एवं नीतिगत अस्थिरता बढ़ी, लेकिन भारत की मौजूदा स्थिति आगे के लिए उम्मीद जगाती है। बुलेटिन के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि के प्रारंभिक अनुमान भारतीय जीडीपी की मजबूती को दर्शाते हैं। ये आंकड़े भारत के दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की तरफ भी इशारा करते हैं। दिसंबर, 2025 के उच्च-आवृत्ति संकेतकों से पता चला कि घरेलू मांग में मजबूती और वृद्धि की रफ्तार बनी हुई है। खुदरा महंगाई दिसंबर में थोड़ा बढ़ी, लेकिन आरबीआई के संतोषजनक स्तर के निचले स्तर से नीचे ही रही। बुलेटिन में कहा गया है, भारत ने निर्यात विविधीकरण और मजबूती के प्रयास तेज किए हैं। भारत 14 देशों या समूहों के साथ व्यापार वार्ता में शामिल है। वित्तीय संसाधनों के प्रवाह में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल-दिसंबर 2025 तक वाणिज्यिक क्षेत्र में कुल वित्तीय संसाधनों का प्रवाह बढ़कर 30.8 लाख करोड़ रुपये हो गया। जो पिछले साल 21.3 लाख करोड़ रुपये था। बैंक स्रोतों के अलावा गैर-बैंक स्रोतों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। दिसंबर, 2025 के अंत तक वाणिज्यिक क्षेत्र का कुल कर्ज 15 फीसदी बढ़ा, जिसमें गैर-बैंक स्रोतों ने 16.4 फीसदी की बढ़त दर्ज की। अप्रैल-नवंबर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में सालाना आधार पर तेजी रही। 2025 में देश में कई बड़े आर्थिक सुधार भी हुए, जिनमें कर ढांचे का तर्कसंगत बनाना, नए श्रम कानूनों को लागू करना और वित्तीय क्षेत्र में उदारीकरण शामिल हैं।

500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बिना लाइसेंस इस्तेमाल की अनुमति

वाई-फाई सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वाई-फाई सेवाओं को तेज और बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। दूरसंचार विभाग (डॉट) ने 6 गीगाहर्ट्ज बैंड के निचले हिस्से में मौजूद 500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को बिना लाइसेंस इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है। इस फैसले से घरों, दफ्तरों और सार्वजनिक जगहों पर वाई-फाई की गति और क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। डॉट की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, 5925 से 6425 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी रेंज का इस्तेमाल अब कम पावर इनडोर और बहुत कम पावर वाले आउटडोर वाई-फाई सिस्टम के लिए किया जा सकेगा। इसके लिए किसी तरह का लाइसेंस या स्पेक्ट्रम आवंटन लेने की जरूरत नहीं होगी। यानी वाई-फाई उपकरण बिना सरकारी अनुमति के इस स्पेक्ट्रम पर काम कर सकेंगे। सरकार ने यह फैसला करीब छह महीने पहले जारी किए गए मसौदा नोटिफिकेशन के बाद लिया है। हालांकि, इस स्पेक्ट्रम के इस्तेमाल के लिए कुछ शर्तें भी तय की गई हैं। इसका उपयोग साझा आधार पर होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी अन्य संचार सेवा में बाधा न पड़े। सिग्नल की शक्ति पर भी सीमा रखी गई है, ताकि इसका इस्तेमाल केवल वाई-फाई जैसे कम पावर वाले उपकरणों तक ही सीमित रहे। डॉट ने यह भी स्पष्ट किया है कि 6 गीगाहर्ट्ज बैंड का ऊपरी हिस्सा भविष्य में मोबाइल सेवाओं के लिए आरक्षित रहेगा। इससे वाई-फाई और मोबाइल नेटवर्क के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। इस फैसले से वाई-फाई 7 जैसी नई तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा। इससे वीडियो स्ट्रीमिंग, ऑनलाइन पढ़ाई, दफ्तरों में काम और डिजिटल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। कुल मिलाकर, बिना लाइसेंस स्पेक्ट्रम की यह अनुमति देश की डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

जोमैटो ने गुरुग्राम में 2.33 करोड़ मासिक किराए पर लिया ऑफिस

● लीज की अवधि चार साल और 11 महीने है, जिसमें तीन साल बाद किराए में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोपस्टैक द्वारा एक्सेस किए गए लीज डीड दस्तावेजों के अनुसार, जोमैटो की पैरेंट कंपनी, इटरनल लिमिटेड ने गुरुग्राम के इंटेलियन पार्क में सात मंजिल (2.78 लाख वर्ग फुट) कार्यालय स्थान 2.33 करोड़ रुपये मासिक किराए पर लीज पर लिया है।फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी ने यह स्पेस गुरुग्राम के सेक्टर 59 स्थित इंटेलियन पार्क (आईटी सिटी) में लिया है। दस्तावेजों के मुताबिक, यह लीज मकान मालिक मिकाडो रिएल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुई है। लीज्ड परिसर में ग्राउंड फ्लोर और चौथी से नौवीं मंजिल शामिल है, जिसका कुल चार्जेबल एरिया 2,78,249 वर्ग फुट है। लीज अक्टूबर 2025 से शुरू हुई है। जोमैटो प्रति वर्ग फुट 84 रुपये प्रति माह किराया देगी। दस्तावेज के अनुसार, कंपनी ने छह महीने के किराए के बराबर सुरक्षा जमानत राशि भी जमा कराई है। लीज की अवधि चार साल और 11 महीने है, जिसमें तीन साल बाद किराए में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। लीज करार में तीन साल की लॉक-इन अवधि भी शामिल है, जिस दौरान किराएदार या मकान मालिक में से कोई भी अनुबंध खत्म नहीं कर सकता। इस लीज डील में रेंट फ्री फिट-आउट की अवधि छह महीने और 14 दिन की है, जिससे जोमैटो को किराया देने से पहले ऑफिस स्पेस को तैयार और कस्टमाइज करने का समय मिलेगा। इस डील में 371 कार पार्किंग स्पेस भी शामिल हैं, जिनकी गणना 750 वर्ग फुट पर एक पार्किंग स्पेस के हिसाब से की गई है। जोमैटो की इंटेलियन पार्क में 2.7 लाख वर्ग फुट की यह लीज एनसीआर के ऑफिस बाजार के लिए एक बड़ा कदम है। हाल के दिनों में ऑफिस स्पेस की मांग ज्यादातर ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) से आ रही थी, ऐसे में जोमैटो जैसी देशी कंपनी का इतने बड़े पैमाने पर विस्तार होमग्रोन टेक इकोसिस्टम में मजबूत विश्वास दिखाता है। गुरुग्राम, विशेष रूप से गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड कॉरिडोर के लिए, यह इस क्षेत्र को शीर्ष प्रतिभा और कॉर्पोरेट मुख्यालयों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

सीईओ दीपिंदर गोयल के इस्तीफे के बाद जोमैटो के शेयर 7 प्रतिशत तक उछले

● कारोबार में जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल के शेयर की कीमत 7 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई

नई दिल्ली, एजेंसी। सीईओ दीपिंदर गोयल के इस्तीफे और कंपनी के तीसरी तिमाही के नतीजे आने के बाद गुरुवार को शुरुआती कारोबार में जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल के शेयर की कीमत 7 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई। इटर्नल के शेयर बीएसई पर 7.33 प्रतिशत बढ़कर 304.20 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। हालांकि सुबह 9:50 बजे, इटर्नल के शेयर की कीमत बीएसईपर 1.45 प्रतिशत बढ़कर 287.05 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रही थी। कंपनी ने एक्सचेंजों को बताया कि दीपिंदर गोयल ने 1 फरवरी से मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के पद से इस्तीफा दे दिया है। गोयल बोर्ड में वाइस चेयरमैन और डायरेक्टर के रूप में नई भूमिका संभालेंगे। अपने पत्र में दीपिंदर गोयल ने स्पष्ट किया कि हाल ही में वह कुछ ऐसे नए विचारों की ओर खिंचे चले जा रहे हैं जिनमें जोखिम और प्रयोग शामिल हैं। ये ऐसे विचार हैं जिन पर एक सार्वजनिक कंपनी के भीतर काम करना मुमकिन नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर ये विचार इटरनल के दायरे में आते तो वह उन पर कंपनी के भीतर ही काम करते, लेकिन ऐसा नहीं है। साथ ही, भारत में एक सार्वजनिक कंपनी के सीईओ से जुड़ी कानूनी और अन्य अपेक्षाएं उनसे पूर्ण और एकाग्र ध्यान की मांग करती हैं, ऐसे में बाहर के नए विचारों को आजमाना उचित नहीं होगा।

दीपिंदर गोयल ने कहा है कि वह अपने अगले उद्यम के लिए ÷नए विचारों÷ पर काम करेंगे, हालांकि उन्होंने अभी इन विचारों के बारे में विस्तार से नहीं बताया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह इटरनल को आगे बनाने में एक महत्वपूर्ण आवाज बने रहेंगे। वह कंपनी के लंबी अवधिक की रणनीति, संस्कृति, नेतृत्व विकास तथा नैतिकता और शासन में अपनी भागीदारी जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि वह अलबिंदर सिंह ढींगसा और अक्षत जैसे साथियों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

कंपनी का त्तउस्त्रड्ड26 में ऑपरेशंस से रेवेन्यू क्विक कॉमर्स बिजनेस में ग्रोथ के कारण सालाना आधार पर 201 प्रतिशत बढ़कर 16,315 करोड़ रुपये हो गया। इटरनल ने कहा कि इस तिमाही में लाइक-फॉर-लाइक रेवेन्यू ग्रोथ सालाना आधार पर 64 प्रतिशत रही।

दिसंबर तिमाही में कंसोलिडेटेड ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 364 करोड़ रुपये हो गया। पिछली तिमाही की तुलना में, ईबीआईटीडीए में 63 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इटरनल के फूड डिलीवरी बिजनेस का एडजस्टेड रेवेन्यू सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 2,413 करोड़ रुपये हो गया। नेट ऑर्डर वैल्यू में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की गई। ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की ग्रोथ हुई। इस सेगमेंट का एडजस्टेड ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 531 करोड़ रुपये हो गया, और इसका एडजस्टेड ईबीआईटीडीए मार्जिन (ह्लह्ड्ड के प्रतिशत के रूप में) 5.4 प्रतिशत के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया।

बजट 2026: किफायती आवास की सीमा 90 लाख तक की

नई दिल्ली, एजेंसी। उम्मीद है इस बार वित्तमंत्री आर्थिक विकास को गति देने वाले बजट पेश करेंगी, जिसमें विनिर्माण और आवास क्षेत्र को लेकर बड़े ऐलान किए जा सकते हैं। खासकर सरकार किफायती मकान एवं फ्लैट की कीमतों संबंधी बदलाव को लेकर ऐलान कर सकती है। लंबे समय से मांग की जा रही है कि सरकार किफायती आवास से संबंधी मूल्य सीमा को बढ़ाए। उधर, आयकर के तहत कर छूट सीमा में भी बदलाव किया जा सकता है। मौजूदा समय में देश में 45 लाख रुपये तक की कीमत के फ्लैट एवं आवास किफायती मकानों की श्रेणी में आते हैं। नियमों के तहत मेट्रो शहरों (दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे शहर) में 60 वर्ग मीटर (करीब 645 वर्ग फुट) और गैर-मेट्रो शहरों में 90 वर्ग मीटर (करीब 968 वर्ग फुट) तक के घरों को किफायती आवास की श्रेणी में रखा गया है,लेकिन बढ़ती लागत के कारण निर्माता और खरीदार किफायती आवास की सीमा को बढ़ाकर 70-90 लाख तक करने की मांग कर रहे हैं, जिससे किफायती आवास खरीदने पर कर छूट संबंधी लाभ दिया जा सके। रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भी सरकार के सामने यह मुद्दा उठाया था। उनका कहना था कि सरकार ने वर्ष 2017 में किफायती आवास की अधिकतम 45 लाख की कीमत तय की थी।

अब रियल एस्टेट क्षेत्र का कहना है कि देश भर में निर्माण लागत बढ़ रही है इसलिए सीमा को बढ़ाना जरूरी है। मेट्रो शहरों में अधिकांश मकान-फ्लैट की कीमत 70 लाख के पास चली गई है। दो कमरों का फ्लैट भी अब 70 लाख से कम पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में पहली बार घर खरीद रहे खरीदार किफायती मकान खरीदने के दायरे बाहर हो जाते हैं।

ऐसे में खरीदारों को सब्सिडी योजना का लाभ नहीं मिलता है। बढ़ती कीमतों को देखते हुए सरकार को किफायती आवास की कीमत सीमा को बढ़ाकर 70-90 लाख कर देती है तो इससे पहली बार घर खरीद रहे काफी लोगों को सब्सिडी योजना का लाभ मिल सकेगा।

ग्रे मार्केट में मुनाफे के मिल रहे संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। केआरएम आयुर्वेद आईपीओ बीते बुधवार 21 जनवरी को शेयर बाजार में सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और पहले ही दिन निवेशकों की नजर इस पर बनी हुई है। पहले ही दिन यह इश्यू पूरी तरह भर गया। इसे 1.22 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। बता दें कि कंपनी ने साफ किया है कि आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल मुख्य रूप से वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट कार्यों में किया जाएगा। केआरएम आयुर्वेद का यह इश्यू 21 जनवरी से 23 जनवरी तक खुला रहेगा। इसका प्राइस बैंड 128 से 135 प्रति शेयर तय किया गया है। करीब 77.5 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है। यह पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है, यानी इसमें किसी भी मौजूदा शेयरधारक द्वारा शेयरों की बिक्री नहीं की जा रही है। आईपीओ का लॉट साइज 2,000 शेयर रखा गया है, जिसके चलते रिटेल निवेशकों को कम से कम 2.70 लाख का निवेश करना होगा। यह आईपीओ एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा। शेयरों के आरक्षण और अलॉटमेंट की बात करें तो कंपनी ने योग्य संस्थागत निवेशकों के लिए 25.74 लाख शेयर, गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए 7.8 लाख शेयर और रिटेल निवेशकों के लिए 18.2 लाख शेयर आरक्षित किए हैं। आईपीओ का अलॉटमेंट 27 जनवरी को होने की उम्मीद है। जिन निवेशकों को शेयर अलॉट होंगे, उनके डिमैट अकाउंट में 28 जनवरी तक शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। वहीं, जिन निवेशकों को अलॉटमेंट नहीं मिलेगा, उन्हें उसी दिन रिफंड मिल जाएगा। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 22 जनवरी को एनएसई एसएमई पर प्रस्तावित है। ग्रे मार्केट में भी केआरएम आयुर्वेद आईपीओ को लेकर अच्छा माहौल देखा जा रहा है। बाजार सूत्रों के अनुसार, इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 21 चल रहा है, जो अपर प्राइस बैंड के मुकाबले करीब 15 से 16 प्रतिशत प्रीमियम दर्शाता है। इस हिसाब से शेयर की लिस्टिंग 156 के आसपास हो सकती है।

शॉप फ्लोर पर काम करने वाले छोटे कर्मचारियों को भी लखपति शेयरहोल्डर बना रही है वेदांता कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारियों को काम करने में वहां मजा आता है जहां उनकी पूछ हो। समय समय पर उन्हें इंसेंटिव मिले। साल में एक बार बोनस मिले। कंपनी यदि लिस्टेड हो तो कार्यावधि के दौरान बेहद कम कीमत पर कर्मचारियों को शेयर भी दे। अभी वेदांता लिमिटेड खबरों में है, क्योंकि उन्होंने सैकड़ों रुपये का शेयर अपने कर्मचारियों को महज एक रुपया में दे दिया है। पांच साल में यह कंपनी कर्मचारियों को करीब 2,500 करोड़ शेयर बांट चुकी है। अगुवाई वाले वेदांता लिमिटेड ने पिछले पांच सालों में अपने कर्मचारियों को करीब 2,500 करोड़ शेयर एक रुपया में बांट दिए। मतलब कि कर्मचारियों को ढेरों फायदा। यह फायदा उन्हें बहुत ही कम कीमत पर कंपनी के शेयर देकर हुआ है। इस तरीके से कंपनी भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सैलरी देने के तरीकों को बदल रही है। कंपनियां इसलिए भी कर्मचारी को शेयर देती है ताकि उसे लगे कि वह भी कंपनी का हिस्सेदार या मालिक है। इससे उन्हें आर्थिक लाभ तो होता ही है, एक अलग अहसास भी होता है, कंपनी के मालिक होने का। बीएसई में आज वेदांता लिमिटेड का शेयर सुबह 11 बजे 675 रुपये पर ट्रेड हो रहा था। लेकिन कंपनी ने अपने कर्मचारियों को यह शेयर फेस वैल्यू पर, मतलब कि एक रुपया में दिया है। कंपनी ने बताया है कि उनके नए श्वस्ह्रक्क2025 प्लान के तहत करीब 5,000 कर्मचारियों को 500 करोड़ शेयर दिए गए। इस योजना के तहत लाभान्वित होने वाले कर्मचारियों में नए ग्रेजुएट से लेकर तमाम स्टाफ शामिल हैं। इनमें से 1200 कर्मचारी तो पहली बार कंपनी के शेयरधारक बने हैं। इससे एक साल पहले यानी 2024 में भी 5000 से भी ज्यादा कर्मचारियों को 469 करोड़ शेयर दिए गए थे। शेयर का दाम बढ़ने से फायदा कंपनी ने ईएसओपी2022 से अब तक कर्मचारियों को 2500 करोड़ से भी ज्यादा शेयर कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन योजना के तहत दे चुकी है। चूंकि ये शेयर एक रुपया की दर से मिले हैं और शेयर बाजार में इसका दाम अभी काफी ज्यादा है।

ड्रोन डेस्टिनेशन लिमिटेड को बड़ा ऑर्डर मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी-ड्रोन डेस्टिनेशन लिमिटेड को बड़ा ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर के बीच कंपनी के शेयर सुस्त नजर आए। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को ड्रोन डेस्टिनेशन के शेयर की कीमत 1.28 प्रतिशत गिरकर 54 रुपये पर आ गई। वहीं, ट्रेडिंग के दौरान शेयर 52 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 182 रुपये है। ड्रोन डेस्टिनेशन लिमिटेड ने 21 जनवरी 2026 को हृस्श्व को सूचित किया कि कंपनी को भारती को-ऑपरेटिव लिमिटेड से 1.759 करोड़ मूल्य का वर्क ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ऑर्डर हरियाणा में अलग-अलग स्थानों पर तैनात 70 कृषि ड्रोनों की कॉम्प्रिहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट के लिए है, जिसमें बैटरी सेट आदि शामिल हैं। यह ऑर्डर भारत सरकार की डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने और ड्रोन अपनाने की नीति के अनुरूप है। हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स रेगुलेशन, 2015 के रेगुलेशन 33 के संबंध में 30-सितंबर-2025 को खत्म हुई तिमाही के लिए ड्रोन डेस्टिनेशन लिमिटेड से स्पष्टीकरण मांगा है। राजनीतिक तनाव बढ़ने, वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए।

उत्तर रेलवे

उत्पादों/ब्रांडों की शॉर्टलिस्टिंग के लिए अनुस्मारक सूचना

इस कार्यालय के नोटिस सं. 23/AC-Ctg-57-Shortlisting-2024, दिनांक 21.01.2026 (22.01.2026 को प्रकाशित) के माध्यम से, अंबाला मंडल की खानपान इकाइयों में उपयोग/बिक्री/सेवाओं के लिए प्रसिद्ध ब्रांडों/वस्तुओं के निर्माताओं से PAD/Non-PAD वस्तुओं की शॉर्टलिस्टिंग के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। विस्तृत जानकारी और वस्तुओं की सूची भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है, जिसमें यह भी बताया गया है कि, "शॉर्टलिस्टिंग एक सतत प्रक्रिया है, जिस कारण, आइटम/ब्रांड के लिए प्रारंभिक शॉर्टलिस्टिंग के बाद भी शॉर्टलिस्टिंग के लिए ऐसे आवेदन समीक्षा के लिए प्राप्त होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त यह भी सुझाव् दिया जाता है कि ब्रांडों/वस्तुएं जो इस कार्यालय द्वारा पहले ही सूचिबद्ध कर दी गई है, उनकी वैधता तब से दी जाएगी जब से पहली वस्तु को सूचिबद्ध किया गया है।

इस अनुस्मारक नोटिस के माध्यम से, यह सूचित किया जाता है कि, निर्माता/आवेदक आवश्यक दस्तावेजों के साथ, किसी भी कार्य दिवस पर, वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक, डी.आर.एम. कार्यालय, रेल विहार, अंबाला छावनी, हरियाणा-133001 के कार्यालय में अपना आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं।

किसी भी जानकारी, संशोधन और अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया समय-समय पर उपरोक्त वेबसाइट पर जाएँ।

सं. 23/AC-Ctg-57-Shortlisting-2024 दिनांक 21.01.2026
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अम्बाला मंडल

217/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

केमिकल इंजीनियर का प्लान हुआ चेंज

● लैब की जगह यहां किया कमाल, अब 2 लाख महीने की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। कल्याणी चवली मूल रूप से हैदराबाद की हैं। पुणे में पली-बढ़ी हैं। वह एक केमिकल इंजीनियर हैं। उन्होंने पुणे के पास तलेगांव में सह्रदया फूड्स नाम के स्टार्टअप की नींव रखी है। 2021 में शुरू हुई यह कंपनी ग्रामीण महिलाओं को रोजगार देती है। उपभोक्ताओं को सेहतमंद स्नैक्स और मिठाइयां पहुंचाती है। कल्याणी ने अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री का इस्तेमाल पारंपरिक व्यंजनों को बेहतर बनाने और उन्हें वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए किया है। कोरोना महामारी के कारण विदेश में पढ़ाई का उनका प्लान रुक गया। इसके बाद उन्होंने भारत में ही कुछ करने का फैसला किया। उन्होंने पाया कि ग्रामीण महिलाएं बेहतरीन पारंपरिक व्यंजन बनाती हैं। उन्हें लगा कि इन व्यंजनों को दुनिया तक पहुंचाना चाहिए। आज सह्रदया फूड्स के पुणे में 2,500 ऑनलाइन और 3,000 ऑफलाइन ग्राहक हैं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु के साथ न्यूजीलैंड, जापान और अमेरिका जैसे देशों में भी कस्टमर हैं। कंपनी का मंथली रेवेन्यू 2 लाख रुपये से ज्यादा पहुंच गया है। आइए, यहां कल्याणी चवली की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

इंजीनियरिंग से उद्यमिता का सफर

पुणे की रहने वाली 24 वर्षीय केमिकल इंजीनियर कल्याणी चवली के लिए लैब की टेस्ट ट्यूब और रसोई की कड़ाही में कोई खास अंतर नहीं है। मुंबई के प्रतिष्ठित आइसीटी से पढ़ाई करने वाली कल्याणी हायर एजुकेशन के लिए विदेश जाना चाहती थीं। लेकिन, कोरोना महामारी ने उनके रास्ते बदल दिए। इस खाली समय में उन्होंने महाराष्ट्र के पाबल गांव में विज्ञान आश्रम के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम किया। वहां उनकी मुलाकात उन ग्रामीण महिलाओं से हुई जो पारंपरिक और पौष्टिक व्यंजन बनाने में माहिर थीं। यहीं से उनके मन में सह्रदया फूड्स की नींव पड़ी, जिसका उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक का मेल कराना था। कल्याणी ने अपनी इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का इस्तेमाल खाद्य पदार्थों के पोषण को बरकरार रखने के लिए किया। उदाहरण के लिए वह मोरिंगा (सहजन) की चिक्की बनाते समय उसे अधिक गर्म नहीं करतीं ताकि विटामिन-ष्ट नष्ट न हो। उनके उत्पादों में मैदा, रिफाइंड शुगर या किसी भी प्रकार के प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल नहीं होता। सह्रदया फूड्स के गारेलु (तेलंगाना का स्नैक), मोरिंगा चिक्की और सप्तधान्य लड्डू जैसे उत्पाद आज पुणे के अलावा दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में बेहद लोकप्रिय हैं। यहां तक कि कैलिफोर्निया के एक मंदिर और जापान के ग्राहक भी उनके मुरीद हैं। कल्याणी का स्टार्टअप केवल मुनाफे के लिए नहीं है। इसका उद्देश्य सामाजिक बदलाव लाना भी है। उन्होंने अब तक असम, जयपुर और महाराष्ट्र की 160 से ज्यादा महिलाओं को ट्रेनिंग दी है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा

खुली निविदा संख्या 50-अम्बाला/2025-26 दिनांक 21.01.2026

वरिष्ठ मंडल अभियंता-समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	यूएमबी-केएलके खंड में एसएसई/डब्ल्यू/आईआई/सीडीजी खंड के अंतर्गत एडीईएन/सीडीजी द्वारा सामान्य धक्का तकनीक के तहत यूएमबी-केएलके खंड पर किमी 239/16-18 पर मानवयुक्त एल-एक्सिंग संख्या सी-123 के स्थान पर एलएचएस 2एक्स7.0एक्स3.6मीटर (किमी 239/18-20 पर स्थानांतरित स्थान) का निर्माण।	11,39,99,073	7,20,000	12 महीने	13.02.2026
2	जेएचएल-एचएसआर खंड पर किलोमीटर 30/3-4 पर रेलवे ट्रैक/भूमि के नीचे से गुजरने वाले ट्रैक के समानांतर 600 मिमी और 800 मिमी डबल एम. एस. केसिंग पाइप के माध्यम से 350 मिमी डी. आई. जल आपूर्ति पाइप बिछाना/पार करना।	39,19,665	78,400	03 महीने	13.02.2026
3	(i) एडीईएन/पीटीए के अधीन एलडीएच-डीयूआई खंड पर एएचएच-केयूपी के बीच किमी 28/1-2 पर पुल संख्या 71 (3x8.54 मीटर, 2x3.35 मीटर) के स्टील गर्डरों को पीएससी स्लैब के साथ बदलने के लिए संरचनात्मक ड्राइंग की आपूर्ति के साथ पुल उप-संरचना की जैकेटिंग। (ii) एडीईएन/पीटीए के अधीन जेएचएल-एचएसआर खंड पर जेपीएस-यूकेएन के बीच किमी 21.773 पर पुल संख्या 19-ए (5x6.10 मीटर) के स्टील गर्डरों को पीएससी स्लैब के साथ बदलने के लिए संरचनात्मक ड्राइंग की आपूर्ति के साथ पुल उप-संरचना की जैकेटिंग।	1,25,57,041	2,12,800	08 महीने	13.02.2026
4	एडीईएन/एसआरई के सेक्शन में "यमुना नगर-जगाधरी नगर निगम हेतु YJUD एवं JUDW स्टेशनों के मध्य कि.मी. 213/5-8 पर रेलवे ट्रैक/रेलवे भूमि के भीतर 4 मी x 3 मी प्रीकास्ट/कास्ट-इन-सिटू आरसीसी बॉक्स केसिंग के माध्यम से 1800 मि.मी. आंतरिक व्यास की ड्रेनेज पाइप लाइन बिछाने का कार्य।"	2,72,20,724	2,86,100	12 महीने	13.02.2026

नोट :- 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैकिंग/गेटवे पेमेंट के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लोग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई-निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।
224/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बसंत पंचमी के दिन सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करें?

हिंदू धर्म में बसंत पंचमी का पर्व मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन सरस्वती माता की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। अब ऐसे में इस दिम सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व क्या है। सनातन धर्म में बसंत पंचमी मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को मां सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है और ज्ञान, कला के साथ-साथ सभी कार्यों में निपुणता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन किताब और कलम की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इस दिन संगीत यंत्र भी पूजा की जाती है। अब ऐसे में अगर आप बसंत पंचमी के दिन विद्या और कला की देवी सरस्वती की पूजा कर रहे हैं तो सरस्वती यंत्र की भी पूजा करने से भक्तों को लाभ हो सकता है।

सरस्वती यंत्र की पूजा के लिए सामग्री?

सरस्वती यंत्र, लाल फूल
सफ़ेद फूल, धूप, दीप
अक्षत, रोली, माला, नैवेद्य
गंगाजल, दूध, पंचामृत
पंजीरी भोग के लिए

सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करने से करें?

- सबसे पहले सुबह उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल से शुद्ध करें।
- सरस्वती यंत्र को एक लाल कपड़े पर स्थापित करें।
- यंत्र के सामने धूप, दीप, अक्षत, पुष्प, चंदन आदि अर्पित करें।
- गणेश जी का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।
- फिर सरस्वती माता का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।

- सरस्वती मंत्र का जाप करें। आप ऊंऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वत्यै नम: मंत्र का जाप कर सकते हैं।
- सरस्वती यंत्र को गंगाजल और दूध से स्नान कराएं।
- यंत्र पर चंदन, कुमकुम और अक्षत लगाएं।
- यंत्र को पुष्प और माला अर्पित करें।
- धूप और दीप जलाएं।
- सरस्वती कथा का पाठ करें।
- अंत में आरती करें और सभी को प्रसाद वितरित करें।

सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व

सरस्वती यंत्र की पूजा करने से बुद्धि, विद्या, ज्ञान और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। यह छात्रों और कलाकारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में सफलता नहीं मिल रही है तो सरस्वती यंत्र की पूजा बसंत पंचमी के दिन विशेष रूप से करने से लाभ हो सकता है और छात्रों के लिए यह दिन सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस दिन सभी छात्र विधिवत रूप से पूजा करें।

श्रद्धा व उल्लास का पर्व वसंत पंचमी

वसंत पंचमी, जिसे सरस्वती जयंती के रूप में भी जाना जाता है, हिंदू परंपरा में गहरा महत्व रखती है क्योंकि इसे देवी सरस्वती की जयंती माना जाता है। देवी लक्ष्मी को समर्पित दिवाली और देवी दुर्गा को समर्पित नवरात्रि की तरह, वसंत पंचमी ज्ञान और ज्ञान की प्रतिष्ठित देवी, सरस्वती की पूजा के आसपास केंद्रित एक उत्सव है। इस शुभ दिन पर, भक्त दिन के हिंदू प्रभाग में दोपहर से पहले के समय, पूर्वाहन के दौरान देवी सरस्वती का सम्मान करते हैं। देवी को सफेद कपड़ों और फूलों से सजाया जाता है, जो पवित्रता का प्रतीक है, क्योंकि सफेद को देवी का पसंदीदा रंग माना जाता है। दूध और सफेद तिल से बनी मिठाइयों का प्रसाद देवी सरस्वती को अर्पित किया जाता है और दोस्तों और परिवार के बीच प्रसाद के रूप में साझा किया जाता है। उत्तर भारत में, वर्ष के इस समय के दौरान खिले हुए सरसों के फूलों और गेंदा फूल की प्रचुरता के कारण पूजा के लिए पीले फूलों को विशेष रूप से चुना जाता है। वसंत पंचमी न केवल धार्मिक अनुष्ठान का दिन है, बल्कि विद्या आरंभ का भी प्रतीक है, एक अनुष्ठान जिसका उद्देश्य छोटे बच्चों को शिक्षा और औपचारिक शिक्षा के दायरे से परिचित कराना है। कई स्कूल और कॉलेज ज्ञान और शैक्षणिक गतिविधियों के महत्व पर जोर देते हुए, उत्सव के हिस्से के रूप में सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं जबकि वसंत पंचमी नाम भारतीय वसंत ऋतु से संबंध का सुझाव दे सकता है, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह दिन जरूरी नहीं कि वसंत के मौसम से जुड़ा हो। कुछ वर्षों में, यह वसंत के दौरान पड़ता है, लेकिन यह लगातार होने वाली घटना नहीं है। परिणामस्वरूप, श्री पंचमी और सरस्वती पूजा जैसे वैकल्पिक नामों को अधिक उपयुक्त माना जाता है, यह स्वीकार करते हुए कि हिंदू त्योहार विशिष्ट मौसमों से सख्ती से बंधे नहीं हैं।

वसंत पंचमी कैसे मनाई जाती है

वसंत पंचमी विभिन्न अनुष्ठानों और गतिविधियों के माध्यम से मनाई जाती है जिनका सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। इस त्यौहार से जुड़े मुख्य अनुष्ठान इस प्रकार हैं -

घर पर सरस्वती पूजा

परिवार देवी सरस्वती को प्रार्थना समर्पित करते हुए घर पर सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। अनुष्ठानों में अध्ययन, कला, शिल्प, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रार्थना करना शामिल है।

पतंग उड़ाना

वसंत पंचमी के दौरान पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय गतिविधि है, जो उत्सव में एक उत्सव और खुशी का तत्व जोड़ती है।

सफेद और पीले कपड़े पहनना

लोग पारंपरिक रूप से इस दिन सफेद और पीले कपड़े पहनते हैं, जो पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक है। विशेष रूप से सरसों की फसल की कटाई के समय से जुड़े होने के कारण पीला रंग विशेष महत्व रखता है।

सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाना

भक्त पूजा अनुष्ठान के हिस्से के रूप में देवी सरस्वती को सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाते हैं।

बच्चों के लिए विद्या आरंभ

वसंत पंचमी छोटे बच्चों को विद्या आरंभ के अनुष्ठान के माध्यम से शिक्षा की दुनिया में आरंभ करने के लिए महत्वपूर्ण है।

स्कूलों और कॉलेजों में सरस्वती पूजा

कई शैक्षणिक संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। पूजा के बाद, छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों को प्रसाद दिया जाता है, उसके बाद उत्सव का भोजन किया जाता है।

नए उद्यम शुरू करना

नए उद्यम शुरू करने, विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों और कॉलेजों का उद्घाटन करने के लिए यह दिन शुभ माना जाता है।

मृत परिवार के सदस्यों के लिए पितृ तर्पण

जीवन और ज्ञान का जश्न मनाने के अलावा, कुछ परिवार पितृ तर्पण भी करते हैं, जो मृत परिवार के सदस्यों को सम्मान देने और याद रखने का एक अनुष्ठान है।

साड़ी पहनना

वसंत पंचमी पर साड़ी पहनना एक आम बात है, जो उत्सव में पारंपरिक स्पर्श जोड़ती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्कूल और कॉलेज अक्सर इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं, प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हैं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हैं।

प्रेरणादायी हैं मां सरस्वती का स्वरूप

वसंत पंचमी हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल की पंचमी को मनाई जाती है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द व शक्ति की प्राप्ति जीव को हुई थी। सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है।

- पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है।
- शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं और उनके चार हाथ हैं जिनमें वीणा, पुस्तकमाला और अक्षरमाला है। उनका वाहन हंस है।
- शुभवस्त्र मानव को प्रेरणा देते हैं कि अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाएं और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करें।
- दो हाथों में वीणा ललित कला में प्रवीण होने की प्रेरणा देती है।
- जिस प्रकार वीणा के सभी तारों में सामंजस्य होने से मधुर संगीत निकलता है वैसे ही मनुष्य अपने जीवन में मन व बुद्धि का सही तालमेल रखे।
- सरस्वती का वाहन हंस विवेक का परिचायक है।

उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है पीला रंग

वसंत पंचमी के पर्व पर वैसे भी चटख पीला रंग उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ सफेद रंग से जुड़ी शांति भी शामिल हो जाती है। इस दिन खास तौर पर कई घरों में रंगोली सजाई जाती है। कुछ लोगों के यहां केसर वाले पीले रंग के मीठे चावल खास इसी दिन बनाएं जाते है। कई परिवारों में आज भी वसंत पंचमी के दिन एक-दूसरे के घरों में मीठे चावल और केले भेंट किए जाते हैं। कई परिवारों द्वारा मंदिरों में हलवा और मिठाई दान करने की परंपरा है। वसंत ऋतु के साथ होली के आगमन की दस्तक और सरस्वती पूजा का यह पर्व पुराने समय से ही युवाओं के लिए उत्साह वाला रहा है। ग्रामीण इलाकों में अपने खेतों में गेहूं, मटर, चना और दूसरी तरह की लहलहाती हरी-भरी फसलों को देखकर किसानों के मन प्रफुल्लित हो जाते हैं। खेतों में दूर-दूर तक धानी-सरसों के फूलों की पीली चादर बरबस मन को मोह लेती है। कोहरे और ओस से भीगी मिट्टी और रंगबिरंगे फूलों की मिली-जुली भीनी खुशबू अपनी ओर खींचती है। ऐसे समय में हर किसी का मन बिना मचलें नहीं रह सकता। ऐसा नजारा देखकर किसी भी कवि मन से श्रृंगार रस की एक से एक मनभावन कविताएं फूट पड़ना आम बात है। इस दिन हजारों युवा विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। पंचांग के अनुसार हिंदू धर्म में नवंबर के बाद शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है पर वसंत पंचमी के दिन से शादियां फिर से शुरू हो जाती हैं।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को अर्पित करें 11 सफेद और पीली शुभ सामग्री

23 जनवरी को वसंत पंचमी मनाई जाएगी। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार माघ माह की शुक्ल पंचमी को बसंत पंचमी के रूप में माता सरस्वती का जन्मोत्सव और मदनोत्सव बनाया जाता है। इस दिन माता सरस्वती की पूजा होती है। आओ जानते हैं कि माता सरस्वती को कौनसी सी 11 सफेद और पीली शुभ सामग्री अर्पित करना चाहिए।

- **पीले और सफेद फूल** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद फूल अर्पित करें।
- **पीले और सफेद वस्त्र** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद वस्त्र अर्पित करें। इस पूजा करते समय पीले वस्त्र पहनान चाहिए।
- **पीले या सफेद पेड़े या मिठाई** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद पेठे अर्पित करें।
- **केला** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को केला अर्पित करें।
- **बूंदी** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को बूंदी अर्पित करें।
- **पीले चावल** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को केसर मिश्रित पीले चावल अर्पित करने से वह प्रसन्न होती हैं।
- **श्वेत चंदन** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती की श्वेत चंदन से पूजा की जाती है।
- **मधु** : शहद अर्पित करें।
- **गन्ना और गन्ने का रस** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को गन्ना और गन्ने का रस भी अर्पित करें।
- **दूध, दही और मक्खन** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को दूध, दही और मक्खन अर्पित करें।
- **अन्य सामग्री** : धान का लावा, सफेद तिल के लड्डू, पका हुआ गुड़, श्वेत अलंकार, खोवे का श्वेत मिष्ठान, अदरक, मूली, शर्करा, सफेद धान के अक्षत, तण्डुल, शुक्ल मोदक, धृत, सैन्धवयुक्त हविष्यान्न, यवचूर्ण या गोधूमचूर्णका धृतसंयुक्त पिष्टक, पके हुए केले की फली का पिष्टक, नारियल, नारियल का जल, श्रीफल, बदरीफल, ऋतुकालोभ्दव पुष्प फल आदि। पूजा में पेन, कॉपी, किताब, वाद्य यंत्र आदि को शामिल करना चाहिए।

विदेशों में भी पूज्य हैं मां सरस्वती

बसंत पंचमी का पर्व धार्मिक उत्सव का दिन है। इस दिन देवी सरस्वती की आराधना विशेष रूप से की जाती है। देवी मां सरस्वती के बारे में कहा जाता है कि ये मूर्ख को भी विद्वान बना सकती हैं। देवी सरस्वती हिंदू धर्म की एक प्रमुख देवी है, जिसे ज्ञान और विद्या की देवी माना गया है। वसंत पंचमी का दिन मां सरस्वती, माता शारदा, देवी वाग्देवी, भारती, वीणावादिनी आदि नामों से पूजित इस विख्यात देवी की पूजा व सामाजिक कार्यक्रम माना जाता है।

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि ज्ञान की पूजा का महत्व हमारी भारतीय संस्कृति में सदियों से है और यह आगे भी जारी रहेगा। यही कारण है कि दुनिया के लगभग हर देश में ज्ञान की देवी और देवताओं परिकल्पना की गई है। उसे कताई-बुनाई, संगीत, चिकित्सा शास्त्र और गणित सहित रोजमर्रा के कार्यो में निपुणता की देवी माना गया है।

कहां-कहां होती हैं देवी सरस्वती की पूजा - पुराणों के अनुसार सदियों के देवी सरस्वती की पूजा भारत और नेपाल तथा विदेश में होती आ रही है। देवी सरस्वती को बर्मा (म्यांमार) में थुयथदी, सूरस्सती और तिपिटका मेदा, चीन में बियानचाइत्यान, जापान में बेंजाइतेन और थाईलैंड में सुरसवदी के नाम से जाना जाता है। मां देवी सरस्वती की आराधना केवल भारत और नेपाल में ही नहीं, बल्कि चीन, थाईलैंड, जापान, इंडोनेशिया, बर्मा (म्यांमार) और अन्य कई देशों में भी होती है। प्राचीन ग्रीस में एथेंस शहर की संरक्षक देवी एथेना को ज्ञान, कला, साहस, प्रेरणा, सभ्यता, कानून-न्याय, गणित, जीत की देवी माना गया जापान की लोकप्रिय देवी बेंजाइतेन को हिंदू देवी सरस्वती का जापानी संस्करण कहा जाता है। इस देवी के नाम पर जापान में कई मंदिर हैं। जर्मनी में जहां इन्हें स्नोत्र को ज्ञान, सदाचार और आत्मनियंत्रण की देवी माना गया है, वहीं फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया सहित कई यूरोपीय देशों में ज्ञान और शिल्प की देवी के रूप में मिनर्वा का स्मरण किया जाता है।

देवी का स्वरूप- माघ शुक्ल पंचमी, जिसे वसंत पंचमी भी कहते हैं, उस दिन देवी सरस्वती की आराधना विशेष रूप से की जाती है। धार्मिक ग्रंथों में माता सरस्वती के रूप-रंग को शुक्लवर्णा और श्वेत वस्त्रधारिणी बताया गया है, जो वीणावादन के लिए तत्पर तथा श्वेत कमल पुष्प पर आसीन रहती हैं। देवी सरस्वती को 'वाणी की देवी' के नाम से संबोधित किया जाता है तथा 'वागेश्वरी' और हाथों में वीणा होने के कारण इन्हें 'वीणापाणि' नाम भी दिया गया है।

मां सरस्वती के जन्मोत्सव का दिन- बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती माता की पूजा की प्रथा सदियों दुनिया भर में चली आ रही है। मान्यतानुसार सृष्टि के निर्माण के समय देवी सरस्वती बसंत पंचमी के दिन प्रकट हुई थीं, इसी वजह से बसंत पंचमी को मां सरस्वती के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है तथा उनकी अलग-अलग नामों से भारत और देश-विदेश में पूजा-अर्चना की जाती है।

बसंत पंचमी 2026 कब है?

सरस्वती पूजा की विधि और अबुझ मुहूर्त का महत्व

साल 2026 में बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी. पंचमी तिथि की उदयातिथि इसी दिन होने से यह पर्व विशेष फलदायी होगा. इस अबूझ मुहूर्त पर पीले वस्त्र पहनकर मां सरस्वती की पूजा करना, नई शुरुआत, शिक्षा और कला साधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है.

देवघर : कहा जाता है कि जिस छात्र पर मां सरस्वती की कृपा हो जाती है उसका जीवन ज्ञान, विवेक और सफलता से भर जाता है. ज्ञान, कला और बुद्धि की देवी मां सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी का पर्व हर साल माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है. इस दिन विशेष रूप से छात्र-छात्राएं मां सरस्वती की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं.

क्या कहते है ज्योतिषाचार्य

नंदकिशोर मुद्गल ने बताया कि नए साल 2026 में बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा. ऋषिकेश पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 22 जनवरी दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से होगी और इसका समापन अगले दिन 23 जनवरी दोपहर 2 बजकर 20 मिनट मे होगा. उदयातिथि को मान्यता देने के कारण 23 जनवरी को ही बसंत पंचमी का पर्व मनाना शुभ रहेगा.

पूजा का महत्व और विधि

ज्योतिषाचार्य के अनुसार बसंत पंचमी के दिन छात्र-छात्राओं को सुबह स्नान कर शुद्ध मन से मां सरस्वती की पूजा करनी चाहिए. इस दिन षोडशोपचार विधि से पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है. पूजा में मां को सफेद या पीले फूल, अक्षत, पुस्तक, कलम और वाद्य यंत्र अर्पित किए जाते हैं. इससे पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है और ज्ञान की प्राप्ति होती है.

बसंत पंचमी के दिन वस्त्र और रंग का विशेष महत्व

बसंत पंचमी के दिन पीले या सफेद वस्त्र धारण करना शुभ माना जाता है. पीला रंग बसंत ऋतु, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है. इसी कारण इस दिन पीले वस्त्र, पीले फूल और पीले प्रसाद का विशेष महत्व होता है.

अबुझ मुहूर्त का रहता है दिन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि बसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है. यानी इस दिन बिना पंचांग देखे किसी भी नए कार्य की शुरुआत की जा सकती है. शिक्षा की शुरुआत, लेखन कार्य, संगीत या कला की साधना के लिए यह दिन बेहद शुभ माना जाता है. इस दिन पूजा आराधना करने के लिए पूरा दिन शुभ मुहूर्त होता है.

सिंधू क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, अब चीन की चेन यू फी से सामना

लक्ष्य सेन भी अंतिम-आठ में

जकार्ता, एजेंसी। भारत की पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य ने जेसन गुनेवान को आसानी से हराया, जबकि सिंधू ने डेनमार्क की क्यारीफेल्ट को कड़े मुकाबले में मात दी। अब सिंधू का सामना दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चेन यू फी से होगा, जिनके खिलाफ सिंधू पिछली बार 2019 में जीती थीं।

जकार्ता में चल रहे इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए गुरुवार का दिन शानदार रहा। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

लक्ष्य सेन का एकतरफा मुकाबला- लक्ष्य सेन ने शानदार अंदाज में शुरुआत करते हुए हांगकांग चीन के जेसन गुनेवान को 21-10, 21-11 से मात दी। मुकाबला आधे घंटे से थोड़ा अधिक चला और लक्ष्य ने रफ्तार एवं नियंत्रण दोनों में बढ़त बनाए रखी। यह जीत लक्ष्य के आत्मविश्वास में और इजाफा करेगी।

सिंधू ने डेनमार्क की खिलाड़ी को हराया- पीवी सिंधू, जो दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट हैं, ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क क्यारीफेल्ट को 21-19, 21-18 से हराया। मुकाबला 43 मिनट तक चला। यह सिंधू की इस खिलाड़ी के खिलाफ छठी भिड़ंत में पांचवीं जीत थी, जो उनकी बढ़त को दर्शाती है।

Australian Open

सबालेंका, गॉफ, अल्कारेज और ज्वेरेव का शानदार प्रदर्शन, तीसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ आस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गईं जबकि पुरूष वर्ग में कार्लोस अल्कारेज और एलेक्जैंडर ज्वेरेव भी अपने मुकाबले जीत गए। दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और

कोको गॉफ आस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गईं जबकि पुरूष वर्ग में कार्लोस अल्कारेज और एलेक्जैंडर ज्वेरेव भी अपने मुकाबले जीत गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की विजेता सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं, तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने ओल्गा डानिलोविच को 6-2, 6-2 से मात दी। अल्कारेज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को 7-6, 6-3, 6-2 से हराया। पिछले साल के फाइनल में यानिक सिनर से हारने वाले ज्वेरेव ने एलेक्जैंडर मुलर को 6-3, 4-6, 6-3 , 6-4 से शिकस्त दी।

अभिषेक शर्मा का टी20 में ऐतिहासिक रिकॉर्ड

इंडिया-न्यूज़ीलेंडः रसेल-मैक्सवेल जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

नागपुर, एजेंसी। नागपुर में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ खेले गए टी20 मुकाबले में अभिषेक शर्मा की विस्फोटक पारी ने सिर्फ मैच का रुख ही नहीं बदला, बल्कि टी20 क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में भी नया अध्याय जोड़ दिया। 35 गेंदों पर 84 रन की उनकी तूफानी पारी चर्चा में रही, लेकिन असली सुर्खी उनके करियर माइलस्टोन ने बटोरी। इस पारी के दौरान अभिषेक पुरुषों के टी20 क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए, जिसने उनकी आक्रामक बल्लेबाजी को नए स्तर पर पहुंचा दिया।

सबसे तेज 5000 रनः अभिषेक शर्मा का ऐतिहासिक रिकॉर्ड- अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 2898 गेंदों में 5000 रन पूरे कर लिए, जो पुरुषों के टी20 क्रिकेट में अब तक का सबसे तेज़ रिकॉर्ड है। उन्होंने इस मामले में आंद्रे रसेल (2942 गेंदें) को पीछे छोड़ दिया। इस लिस्ट में टिम डेविड, विल जैक्स और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज़ भी शामिल हैं, लेकिन अभिषेक ने सभी को पीछे छोड़ते हुए खुद को सबसे ऊपर स्थापित किया।

टी20 का असली पैमाना

टी20 क्रिकेट में पारियों या मैचों के आधार पर आंकड़े कई बार भ्रम पैदा कर सकते हैं। नॉटआउट रहना, बल्लेबाजी क्रम या छोटी चेज जैसे फैक्टर आंकड़ों को प्रभावित करते हैं। ऐसे में '5000 रन बनाने में खेली गई गेंदें' किसी बल्लेबाज़ की वास्तविक आक्रामकता और निरंतरता को मापने का सबसे सटीक तरीका है। यह बताता है कि कोई बल्लेबाज़ मौके मिलने पर कितनी तेज़ी से रन बनाता है, चाहे उसकी भूमिका कुछ भी हो।

स्ट्राइक रेट ने खोली असली तस्वीर

अगर अभिषेक के इस रिकॉर्ड को स्ट्राइक रेट में बदला जाए, तो तस्वीर और साफ हो जाती है। 2898 गेंदों में 5000 रन का मतलब लगभग 172 का स्ट्राइक रेट। यह सिर्फ एक मैच या सीरीज़ का नहीं, बल्कि पूरे करियर का औसत है। आंद्रे रसेल का यह आंकड़ा लगभग 170 के आसपास है, जबकि बाकी टॉप बल्लेबाज़ 160 से नीचे रहते हैं। यह दिखाता है कि इतने लंबे समय तक इस रफ्तार को बनाए रखना कितना कठिन है।

- **पावरप्ले में आक्रमण : विरोधियों की रणनीति पर असर-** अभिषेक शर्मा की बल्लेबाज़ी का सबसे बड़ा हथियार पावरप्ले में आक्रामक रुख है। वह शुरुआती ओवरों में सिर्फ टिकने की बजाय बढ़त बनाने की कोशिश करते हैं। इसका असर यह होता है कि विरोधी कप्तानों को जल्दी रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती है और गेंदबाज़ों के लिए विकेट और रन रोकने के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो जाता है। कई बार टीमें शुरुआती ओवरों में ही अपने पसंदीदा मैच-अप खो बैठती हैं।

ग्लेन फिलिप्स ने वरुण चक्रवर्ती की गेंद को समझने का तरीका बताया

नागपुर, एजेंसी। भी रहस्यमयी स्पिनर को समझना बहुत मुश्किल काम होता है लेकिन न्यूज़ीलैंड के ग्लेन फिलिप्स उन चुनिंदा बल्लेबाजों में से एक के रूप में तेजी से उभर रहे हैं जिन्होंने कम से कम कुछ हद तक इस रहस्य को सुलझा लिया है। बुधवार को यहां भारत के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में, न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ने न केवल अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से बल्कि वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर का सामना करने के अपने स्पष्ट तरीके के लिए भी लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। फिलिप्स ने पहले मैच में वरुण चक्रवर्ती का डटकर सामना किया और उनके खिलाफ कुछ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने कहा कि संतुलन, सिर की सही स्थिति और गेंद फेंकते समय अधिकतम जानकारी हासिल करने से ही वह इस गेंदबाज के खिलाफ सफल रहे। फिलिप्स ने मैच के बाद कहा, 'उसे समझना बहुत मुश्किल है। वह बहुत अच्छी लेंथ और तेज गति से गेंदबाजी करता है। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से सही पोजीशन में आना, अपना ध्यान

सही जगह पर रखना और उसके हाथों की सही स्थिति का अधिक से अधिक सही आकलन करना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'हर कोई अलग तरह से खेलता है और जिन पिचों पर गेंद ज्यादा घूमती है, वहां वह और भी मुश्किल हो जाता है। आज हम जिस तरह की पिच पर खेले उसमें बहुत ज्यादा टर्न नहीं था। इस तरह की पिच पर खेलना कभी-कभी आसान हो जाता है लेकिन इसके बावजूद उसकी गेंद का सामना करना आसान नहीं होता है। मुझे लगता है कि हर किसी को उससे निपटने के अपने-अपने तरीके खोजने होंगे।' फिलिप्स ने वरुण की 9 गेंदों का सामना किया जिनमें उन्होंने दो गगनचुंबी छक्कों सहित 19 रन बनाए और केवल एक डॉट बॉल खेली। फिलिप्स से यह भी पूछा गया कि क्या लॉकी फर्ग्यूसन या मैट हेनरी जैसे तेज गेंदबाज अभिषेक शर्मा को रोकने के लिए बेहतर विकल्प हो सकते थे, जिन्होंने भारत को शीर्ष क्रम में धमाकेदार शुरुआत दिलाई थी। फिलिप्स ने कहा, 'यह मुश्किल सवाल है। मेरा कहने का मतलब यह है कि उसने आईपीएल के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजों के खिलाफ ऐसा किया है, कभी-कभी जब कोई खिलाड़ी ऐसी फॉर्म में होता है .

भारतीय घुड़सवारी महासंघ की मनमानी!

बिना चयन ट्रायल चुनी टीम, खिलाड़ियों का भविष्य दांव पर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ केंद्र सरकार खेलों को बढ़ावा देने और एथलीटों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, दूसरी ओर भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) की लापरवाही और मनमानी से घुड़सवारों का भविष्य अंधेरे में लटक गया है। जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में जार्डन में होने वाले विश्व कप क्वालिफायर के लिए महासंघ ने बिना चयन ट्रायल के ही चार खिलाड़ियों और एक कोच के नाम अंतरराष्ट्रीय टेंट पेगिंग महासंघ (आईटीपीएफ) को भेज दिए हैं। इस कारण कई प्रतिभाशाली घुड़सवार परेशान हैं। महासंघ की कार्यकारी समिति ने विश्व कप क्वालिफायर्स के लिए चार एथलीटों के साथ कर्नल (रिटायर्ड) तरसेम सिंह को कोच-सह-प्रबंधक के रूप में नामित किया है, लेकिन इस चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी साफ झलक रही है। महासंघ ने पहले 5 से 12 जनवरी तक राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता के लिए आरटीसी हरियाणा पुलिस से जगह मांगी थी। उसके बाद 13 से 16 जनवरी तक गुरुगाम के आरटीसी भोंडसी में भारतीय टीम के लिए चयन ट्रायल होने थे। हालांकि, ट्रायल शुरू होने से पहले ही महासंघ ने 21 संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की, जो अगले ही दिन गणना में गलती का हवाला देकर 16 पर सिमट गई। बता दें कि टेंट पेगिंग विश्व कप क्वालिफायर जॉर्डन में 29 से 31 जनवरी 2026 तक है। इस टूर्नामेंट 5 खिलाड़ियों की टीम हिस्सा लेती है। हालांकि, बिना चयन ट्रायल के 4 खिलाड़ियों और कोच के नाम की सूची भेज दी। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कई खिलाड़ियों ने एक स्वर में कहा कि कर्नल (सेवानिवृत्त) तरसेम सिंह कोच बनने की जल्दबाजी में थे, इसलिए उन्होंने ग्राउंड जूरी के अध्यक्ष कर्नल (सेवानिवृत्त) अशोक कुमार यादव के साथ मिलकर यह सूची तैयार की। खिलाड़ियों का कहना है कि जब उन लोगों ने नियमों की अनदेखी पर सवाल उठाए, तो महासंघ ने ट्रायल रोक दिए और नई तारीखों का वादा किया, लेकिन ट्रायल हुआ नहीं। इसके बजाय, आनन-फानन में एक नई सूची जारी कर चार खिलाड़ियों और कोच के नाम आईटीपीएफ को भेज दिए गए। जवाब में आईटीपीएफ ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का हवाला देते हुए चेतावनी दी कि भागीदारी की पुष्टि के बाद नाम वापस लेने पर जुर्माना लगेगा। इस रवैये से घबराकर चयन समिति ने 18 जनवरी को बिना ट्रायल के आधार पर नाम भेज दिए।

यूटीसीए क्रिकेटर अदिति श्योराण को स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा

चण्डीगढ़, एजेंसी। चण्डीगढ़, यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए), चण्डीगढ़ से अंडर-15 और 19 बीसीसीआइ स्तर पर खेलने वाली युवा क्रिकेटर अदिति श्योराण को हरियाणा की महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक ने खेल क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा है। एमडीयू खेल विभाग ने यह

प्रतिष्ठित सम्मान नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में अदिति को दिया। एमडीयू कुलपति प्रो.राजबीर सिंह अदिति श्योराण को सम्मान देने पर कहा कि हरियाणा की इस बेटी ने मजबूत जज्बे से बहुत ही कम उम्र में कई कास उपलब्धियां हासिल कर बेटियों के लिए मिसाल पेश की है। कुलपति ने कहा कि ऐसी होनहार खिलाड़ियों की कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्तर पर एमसडीयू पढ़ाई और हॉस्टल निशुल्क करने को लेकर सकारात्मक विचार रखता है। सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि डा.शरणजीत कौर ने इस मौके पर कहा कि जब अदिति जैसी बेटियां खेल ही नहीं किसी भी फील्ड में बेहतर करती हैं.

डब्ल्यूपीजीटी 2026

दूसरे लेग के पहले दिन रिद्धिमा ने स्नेहा पर बढ़त बनाई

अहमदाबाद, एजेंसी। विमेंस प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) 2026 के पहले चरण में एक सप्ताह पहले उपविजेता रहीं रिद्धिमा दिलावरी ने अहमदाबाद के कल्हार ब्लूज एंड ग्रीन्स में खेले जा रहे दूसरे चरण के पहले राउंड में एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली है। बुधवार को रिद्धिमा ने अंतिम 8 होल्स में संयमित खेल का प्रदर्शन किया। सीजन के दूसरे टूर्नामेंट की शुरुआत में रिद्धिमा ने दो बार लगातार बर्डी लगाई। उन्होंने पहले 7वें और 8वें होल पर बर्डी लगाई, जिसके बाद फिर 14वें और 15वें होल पर ऐसा किया। हालांकि, उन्होंने 5वें और 10वें होल पर एक-एक शॉट गंवाया, लेकिन इसके बावजूद वह 2 अंडर 70 के स्कोर के साथ राउंड पूरा करने में सफल रहीं। स्नेहा सिंह पहले लेग में अच्छे प्रदर्शन न कर पाने की भरपाई करना चाहती थीं। उन्होंने बोगी-फ्री राउंड खेला, लेकिन सिर्फ एक बर्डी के साथ, वह 1-अंडर 71 पर रहीं और रिद्धिमा से दूसरे स्थान पर रहीं। छह खिलाड़ी, जिनमें 2025 ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता वाणी कपूर, जहान्वी बख्शी, नयनिका सांगा, एमेच्योर महरीन भाटिया, करिश्मा गोविंद और रूकी प्रो सान्वी सोमू शामिल हैं, सभी 1-ओवर 73 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

रिद्धिमा इस साल वीमेंस प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) और आईजीपीएल के घरेलू इवेंट्स पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही हैं। उन्होंने पार-5 पांचवें होल पर एक शॉट गंवाने से पहले चार पार के साथ शुरुआत की। रिद्धिमा ने 7वें और 8वें होल पर बर्डी बनाकर इसकी भरपाई की। 10वें होल पर एक और शॉट गंवाने का मतलब था कि वह फिर से इवन पार पर थीं। 14वें और 15वें होल पर लगातार बढ़त ने अंडर-पार राउंड और बढ़त सुनिश्चित की। 2025 में दो खिताब जीत चुकीं स्नेहा सिंह ने लगातार 15 होल पार खेले, इसके बाद पार-3 16वें होल पर बर्डी लगाकर राउंड की अपनी एकमात्र बर्डी हासिल की। उन्होंने अंतिम दो होल भी पार खेले और 71 के स्कोर के साथ राउंड समाप्त किया। अमनदीप ने दो बर्डी लगाईं, हालांकि एक डबल बोगी के कारण उनका स्कोर प्रभावित हुआ, जबकि एमेच्योर जारा ने बोगी के साथ शुरुआत की और राउंड में 17वें होल पर एक और बोगी लगाई। संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं छह खिलाड़ियों में शामिल नयनिका सांगा ने सबसे ज्यादा पांच बर्डी लगाईं, लेकिन उनके नाम चार बोगी भी रहीं।

मुजीब की टी-20 इंटरनेशनल में पहली हैट्रिक

अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को 39 रन से हराया, सीरीज अपने नाम की

नई दिल्ली। मुजीब, राशिद खान और करीम जनत के बाद टी-20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले तीसरे अफगानिस्तानी बॉलर बने। अफगानिस्तान ने दुबई में खेले गए दूसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को 39 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। स्पिनर मुजीब उर रहमान ने अपने टी-20 करियर की पहली हैट्रिक ली। जबकि सेदीकुल्लाह अटल और दरविश रसूली ने अर्धशतक लगाए। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 189 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम 18.5 ओवर में 150 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगान टीम ने पहला मैच 38 रन से जीता था। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला आज शाम दुबई में ही खेला जाएगा।

अटल -रसूली के बीच 115 रन की साझेदारी पहले बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही और 4.5 ओवर में टीम का स्कोर 37/2 था। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल और दरविश रसूली ने तीसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। अटल ने 42 गेंदों में 53 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। रसूली ने 39 गेंदों में 68 रन की पारी खेली, उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए। अंत में ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने 13 गेंदों में नाबाद 26 रन की तेज पारी खेली। उनकी पारी में एक चौका और दो छक्के रहे। वेस्टइंडीज की ओर से मैथ्यू फोर्डे ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। शमार जोसेफ और रेमन सिमंड्स को एक-एक विकेट मिला।

सेदीकुल्लाह अटल और दरविश रसूली ने तीसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की। मुजीब को प्लेयर ऑफ द मैच चुना 190 रन के टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने 8 ओवर में 38 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए।

कप्तानी डेब्यू पर सिराज को 8वें ओवर में मिला पहला विकेट

रंजी ट्राफी

गिल की टीम के आगे जडेजा फेल

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 के छठे राउंड में गुरुवार (22 जनवरी) को भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कप्तानी का डेब्यू किया। मुंबई खिलाफ मैच में हैदराबाद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी, लेकिन कप्तान सिराज पहले सत्र में विकेट के लेने के लिए इंतजार करना पड़ा। सिराज के अलावा

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल और रविंद्र जडेजा भी रणजी ट्रॉफी के इस राउंड का हिस्सा हैं। दोनों आमने सामने हैं और गिल की अगुआई वाली पंजाब के खिलाफ सौराष्ट्र की टीम संकट में है। वह पहले सत्र में ही 6 विकेट गंवा चुकी है। जडेजा भी पवेलियन लौट चुके हैं।

सिराज विकेट के लिए जूझे

हैदराबाद के खिलाफ मुंबई ने अच्छी शुरुआत की। मुंबई ने 27 ओवर में 2 विकेट पर 66 रन बना लिए। अखिल हेरवाडकर के तौर पर मुंबई को पहला झटका लगा।

रोहित रायुडू ने उनका विकेट झटका। उन्होंने 71 गेंद पर 27 रन बनाए। मोहम्मद सिराज को आकाश आनंद का विकेट मिला।

उन्होंने 77 गेंद पर 35 रन बनाए। सिराज को पहला विकेट 8वें ओवर में मिला। उन्होंने 3 मेडन किए और 14 रन देकर 1 विकेट लिया। सिराज के अगुआई में नितीश कुमार रेड्डी भी खेल रहे हैं।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से जनरल कैटेगरी (व्यक्तिगत/सांझेदारी फर्मो/कम्पनियों/सहकारी/स्वयं सहायता समूहों) एवं आरक्षित कैटेगरी से, अम्बाला मंडल के रेलवे स्टेशन पर खानपान स्टाल (जनरल माइनर यूनिट) को पांच वर्षों तक संचालन हेतु ई-निविदा दिनांक 09.02.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण निम्नलिखित है-

क्र. सं.	टेंडर संख्या	स्टेशन का नाम	स्टेशन कैटेगरी	स्टाल सं.	स्थान	टेंडर डाक्यूमेंट्स का मूल्य + @18% GST प्रति टेंडर (रूपए में)	प्रथम वर्ष के लिए आरक्षित मूल्य (रूपए में)	बयाना राशि (रूपए में)	आरक्षित वर्ग
1	UMB-CTG-SRE-GMU-01-26	सहारनपुर	एनएसजी-3	SRE-11	प्लेटफार्म सं. 11	2,950	6,72,883/-	3,50,000/-	सामान्य महिला
2	UMB-CTG-UMB-GMU-01-26	अम्बाला छावनी	एनएसजी-2	UMB-02	प्लेटफार्म सं. 01	2,950	10,50,825/-	5,46,500/-	सामान्य

नोटः उपरोक्त ई-निविदा/निविदा प्रपत्र का पूर्ण विवरण (ई-निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 09.02.2026 समय 15:00 बजे तक उपलब्ध है। रेलवे प्रशासन को किसी एक या सभी निविदाओं को बिना कोई कारण बताये निरस्त करने का अधिकार प्राप्त है।

(फाइल सं.:NR-UMB0COML(CG)/29/2024) 243/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

न्यूज डायरी

50 किलो बीफ मामले में हाईकोर्ट सख्त, अग्रिम जमानत याचिका खारिज

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेक्टर-34 थाना क्षेत्र में 19 अगस्त 2025 को दर्ज बीफ से जुड़े मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने आरोपी नूर मोहम्मद को बड़ी राहत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कड़ी टिप्पणियां की हैं और कहा है कि याचिकाकर्ता की दलीलें प्रथम दृष्टया स्वीकार योग्य नहीं हैं।

कोर्ट के आदेश के अनुसार 19 अगस्त 2025 को पुलिस ने सेक्टर-34 क्षेत्र में एक्टिवा सवार एक व्यक्ति नूर मोहम्मद को रोका था। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 50 किलो संदिग्ध मांस बरामद हुआ। आरोपी मांस से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज पेश नहीं कर सका, जिसके चलते पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बरामद मांस के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। प्रारंभिक कार्रवाई के बाद आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

बाद में लैब से आई रिपोर्ट में पुष्टि हो गई कि बरामद मांस बीफ था। इसके बाद पुलिस ने पंजाब प्रोविजन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए केस में धारा 299 और धारा 8 पंजाब प्रोहिबिशन ऑफ काऊ स्लॉटर एक्ट जोड़ दी।

कोर्ट के आदेश के अनुसार, इस अधिनियम के तहत आरोपी को नोटिस जारी किया गया, लेकिन इसके जवाब में आरोपी ने अदालत का रुख करते हुए अंतरिम जमानत की मांग कर दी। यह याचिका एडिशनल सेशन जज द्वारा खारिज कर दी गई।

इसके बाद आरोपी ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की, लेकिन हाईकोर्ट ने भी उसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह तर्क कि आरोपी को मांस के बीफ होने की जानकारी नहीं थी, महज जिम्मेदारी से बचने का अंतिम समय का प्रयास प्रतीत होता है।

सरकारी पक्ष की और शिकायतकर्ता के तरफ से अधिवक्ता सुशांत गुप्ता और अधिवक्ता देविंद्र राजपूत ओर से दलील दी गई कि गाय हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति में पूजनीय है और ऐसे कृत्यों से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। साथ ही आशंका जताई गई कि आरोपी बीफ की अवैध बिक्री से जुड़े किसी संगठित गिरोह का हिस्सा हो सकता है, जिसकी तह तक जाने के लिए हिरासत में पूछताछ जरूरी है। अदालत ने माना कि यदि ऐसे मामलों पर सख्ती न बरती गई तो इससे सार्वजनिक व्यवस्था और साम्प्रदायिक सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर प्रतिभाशाली अमरावती विद्यालय की बेटियों का सम्मान

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)।राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचकूला, जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) द्वारा जिले भर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में खेल, शिक्षा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाली छात्राओं को सम्मान प्रदान किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर हमारे विद्यालय की दो होनहार छात्राओं को भी नामित किया गया और सम्मानित किया गया, जिससे विद्यालय का नाम रोशन हुआ।

अमरावती विद्यालय की समायरा एक प्रतिभाशाली सॉफ्ट टेनिस और लॉन टेनिस खिलाड़ी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण एवं रजत पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही उनका चयन जूनियर इंडिया टीम के लिए हो चुका है और वे एशियन गेम्स के लिए भी शॉर्टलिस्ट की गई हैं। अमरावती विद्यालय की कक्षा 6 की छात्रा परनीत कौर ने राष्ट्रीय पारंपरिक कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। इसके अलावा उन्होंने "कुश्ती का महासंग्राम" चैंपियनशिप में 52 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक भी अपने नाम किया। दोनों बेटियों को आज पंचकूला में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और मेहनत के लिए सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और विद्यालय, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मिर्जापुर-बाछौद हवाई पट्टी पर हैंगर व एटीसी भवन का होगा निर्माण : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महेंद्रगढ़ जिला के अटेली व नारनौल के बीच स्थित मिर्जापुर-बाछौद हवाई पट्टी पर नए हैंगर एवं एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) भवन का निर्माण होगा। इसके लिए लगभग 14 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में हवाई क्षेत्र में भी ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने पर पूरा फोकस किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ के लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। इस तरह की महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अत्यंत अहम है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस परियोजना के तहत एटीसी भवन निर्माण के लिए लगभग 5.81 करोड़ तथा अतिरिक्त हैंगर निर्माण के लिए लगभग 8.21 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

उन्होंने बताया कि यह निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी, बी एंड आर) के माध्यम से पूरा किया जाएगा तथा सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हुए कार्य को चरणबद्ध ढंग से पूरा किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सिविल एयरोड्रोम का विकास न केवल क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, बल्कि भविष्य में औद्योगिक विकास, आपातकालीन सेवाओं, प्रशासनिक गतिविधियों तथा निवेश और रोजगार के नए अवसरों के सृजन में भी सहायक सिद्ध होगा। यह परियोजना दक्षिण हरियाणा के समग्र विकास को एक नई दिशा देगी।

सीईटी–2025 के अंतर्गत पुलिस कांस्टेबल भर्ती में 3 वर्ष की आयु छूट

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष श्री हिम्मत सिंह ने जानकारी दी है कि सीईटी–2025 के अंतर्गत विज्ञापित पुलिस कांस्टेबल भर्ती में आयु छूट को लेकर अभ्यर्थियों द्वारा उठाई गई मांग पर हरियाणा सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की मांग को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार द्वारा पुलिस कांस्टेबल भर्ती में 03 वर्ष की आयु छूट प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की गई है, जिसके संबंध में आयोग को अवगत कराया गया है। आयोग द्वारा नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया अपनाई जा रही है। श्री हिम्मत सिंह ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय विशेष रूप से उन अभ्यर्थियों के हित में लिया गया है, जो वर्ष 2022 के बाद विभिन्न कारणों से सीईटी परीक्षा आयोजित न हो पाने के कारण आयु सीमा से वंचित हो रहे थे, जबकि वर्ष 2025 में पुनः सीईटी परीक्षा आयोजित की गई है। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि यह आयु छूट योग्य अभ्यर्थियों को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे अधिक से अधिक पात्र युवा भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकेंगे। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को आगामी परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयोग भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

बजट-पूर्व परामर्श प्रक्रिया लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण और सशक्त माध्यम: मुख्यमंत्री

- जनभागीदारी से बनेगा हरियाणा का बजट — मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी
- कुरुक्षेत्र में विभिन्न संगठनों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक आयोजित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को कुरुक्षेत्र में विभिन्न संगठनों के साथ आयोजित बजट-पूर्व परामर्श बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उद्यमिता राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में समाज के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विद्या भारती, अधिवक्ता परिषद, विश्व हिंदू परिषद, क्रीड़ा भारती सहित अन्य प्रमुख संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित बजट से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव सरकार के समक्ष प्रस्तुत किए।

हर वर्ग की सहभागिता से बनेगा संतुलित बजट

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह किसी एक सरकार या किसी चुनावी एजेंडे का बजट नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा के 2 करोड़ 80 लाख नागरिकों का बजट है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए ऐसा बजट तैयार करना है, जो राज्य के समग्र और संतुलित विकास को गति प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने बजट-पूर्व परामर्श प्रक्रिया को लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण और सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि किसानों, श्रमिकों, युवाओं, अधिवक्ताओं, शिक्षा, खेल एवं सामाजिक संगठनों से प्राप्त सुझावों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी से तैयार यह बजट हरियाणा को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने बैठक में उपस्थित सभी संगठनों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि बजट-पूर्व परामर्श के दौरान प्राप्त प्रत्येक व्यावहारिक और जनहित से जुड़े सुझाव को प्राथमिकता के आधार पर विचार में लिया जाएगा तथा उन्हें आगामी बजट में यथासंभव शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा दूरदर्शी, संतुलित और जन-अपेक्षाओं पर आधारित बजट प्रस्तुत करना है, जिसका प्रभाव केवल कागज़ों तक सीमित न रहे, बल्कि आने वाले वर्षों में धरातल पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे।

बजट-पूर्व सुझावों पर हुई ठोस कार्रवाई, एक्शन-टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव की ओएसडी हिना बिंदलिश ने बजट-पूर्व परामर्श से संबंधित एक्शन-टेकन रिपोर्ट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्व में प्राप्त सुझावों को सरकार द्वारा गंभीरता से लेते हुए पिछले बजटों में शामिल किया गया था, जिनका सकारात्मक प्रभाव धरातल पर देखने को मिल रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि बजट से संबंधित कुल 11 परामर्श बैठकें आयोजित की गई थीं, जिनमें विभिन्न हितधारकों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। इन बैठकों के दौरान महिला वर्ग, उद्योग एवं स्वास्थ्य क्षेत्र, विभिन्न विभागों, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, शिक्षा, कौशल विकास एवं स्किलिंग, आबकारी विभाग तथा इनक्यूबेशन सेंटर से जुड़े अहम सुझाव प्राप्त हुए, जिन्हें बजट में सम्मिलित किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, स्टार्ट-अप से संबंधित कई सुझावों को पहले ही लागू किया जा चुका है तथा रोजगार सृजन से जुड़े प्रस्तावों पर कार्य प्रगति पर है।

अवैध प्रवेश व शिक्षकों को परेशान करने के मामले में शिक्षक यूनियन जॉइंट एक्शन कमेटी ऑफ टीचर्स ने की कड़ी आपत्ति, एफआईआर की मांग

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जॉइंट एक्शन कमेटी ऑफ टीचर्स, यूटी चंडीगढ़ (पंजीकृत) ने गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खुड्डा अलीशेर, चंडीगढ़ में 20/1/2026 को हुई एक गंभीर व चिंताजनक घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

दिनांक 20 जनवरी 2026 को कार्य समय के दौरान दो अज्ञात/संदिग्ध व्यक्ति बिना किसी वैध अनुमति के स्कूल परिसर में प्रवेश कर गए।उन्होंने स्वयं को चंडीगढ़ प्रशासन के वित्त सचिव की ओर से कार्यरत बताते हुए एक कथित शिकायत पत्र की प्रति दिखाई और उसके आधार पर स्कूल के आधिकारिक दस्तावेजों के सत्यापन की मांग करने लगे।उक्त व्यक्तियों ने न तो कोई प्राधिकरण पत्र दिखाया और न ही कोई पहचान पत्र अथवा न शिक्षा विभाग/किसी सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुमति प्रस्तुत की।

उन्होंने एक प्रतिबंधित सरकारी कार्यस्थल में अनधिकृत रूप से प्रवेश किया। उन्होंने वित्त सचिव का नाम लेकर अतिथि/संविदा शिक्षकों से पूछताछ की तथा विशेष रूप से महिला शिक्षकों को मानसिक रूप से परेशान किया वहां भय और दबाव का माहौल बनाया। इस घटना से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हुआ और शिक्षकों को अनावश्यक मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा। ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ टीचर्स का मानना है कि यह कृत्य प्रतिरूपण (Impersonation), आपराधिक , डराने-धमकाने और अधिकारों के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है तथा यह शिक्षकों, विशेषकर महिला शिक्षकों, की सुरक्षा, गरिमा और मनोबल के लिए गंभीर खतरा है। इस संबंध में जॉइंट एक्शन कमेटी ऑफ टीचर्स, यूटी चंडीगढ़ ने चंडीगढ़ के प्रशासक महोदय से मांग की है कि दोनों अज्ञात/संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की जाए।

सनातन धर्म और राष्ट्र एक-दूसरे के पूरक, अगली सहस्त्राब्दी में भारत के वैभव का डंका बजेगा - मुख्यमंत्री योगी

सन्यासियों के लिए धर्म, राष्ट्र के बढ़कर कुछ नहीं, धर्म खिलाफ आचरण के लिए हों एकजुट

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आठवीं शताब्दी से 19वीं शताब्दी तक गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारत पर विदेशी आक्रांताओं के हमलों से देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परम्परा को बड़ा नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ आजादी के अमृत काल में जो कदम बढ़ाए हैं, उससे भारत के वैभवशाली इतिहास का अगले 1000 साल तक दुनिया में डंका बजना चाहिए। ऐसा केवल राजनीतिक नेतृत्व नहीं, बल्कि समाज की भागीदारी से सुनिश्चित होगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वीरवार को सोनीपत के मुरथल में बाबा नागे धाम पर श्री सिद्ध बाबा महन्त बुधनाथ जी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं आठ मान भण्डारे में शामिल हुए तथा बाल योगी मसाण जी महाराज को महन्त के तौर पर गद्दीनशीन करवाया। देशभर से आए नाथ सम्प्रदाय के हजारों योगीवीर, पीठाधीष्वर, सन्त एवं श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म केवल उपासना की विधि नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली व्यापक संस्कृति है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दिव्य आयोजन के लिए पीठाधीष्वर श्रीमहंत बाबा बालक नाथ जी महाराज व श्रीमंत बालयोगी मसाणनाथ जी महाराज को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने गुरु-परंपरा के प्रति अटूट श्रद्धा भाव रखते हुए जनभावनाओं के अनुरूप इस ऐतिहासिक आयोजन को साकार किया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, काशी विष्वनाथ धाम का भव्य विकास और प्रयागराज में श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व सहभागिता भारत के सांस्कृतिक वैभव का प्रमाण हैं। प्रयागराज में मौनी अमावस्या के दिन साढ़े चार करोड़ श्रद्धालुओं का संगम में स्नान करना विष्व के लिए आश्चर्य का विषय है। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति, संतों की साधना और सुव्यवस्थित प्रशासन का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आने वाला एक हजार वर्ष भारत का होगा और सनातन धर्म को परम वैभव तक पहुंचाने का होगा, जिसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर कार्य करना होगा।

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत ही हमारी शक्ति है और इसी शक्ति के बल पर भारत दुनिया को शांति और सदभाव का मार्ग दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी धार्मिक, सांस्कृतिक परंपराओं के संवर्धन के लिए निरन्तर काम कर रहे हैं, ताकि श्रद्धालु पूरे मनोयोग के साथ अपने आराध्य से जुड़ सकें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय राष्ट्रीय बालिका दिवस का हुआ शुभारंभ

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, पंचकूला डॉक्टर सविता नेहरा की अध्यक्षता में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय राष्ट्रीय बालिका दिवस का शुभारंभ आज पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस ऑडिटोरियम में भव्य रूप से किया गया। बालिका दिवस प्रदेश के सभी जिला में 2 फरवरी तक मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम का मंच संचालन जिला मिशन समन्वयक (डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर) श्रीमती किरण भाटिया तथा सार्थक स्कूल की अध्यापिका श्रीमती जसलीन कौर द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा की संयुक्त निदेशक श्रीमती राजबाला कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। वहीं डॉ॰ पूनम रमण ने गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में शामिल मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचकूला की संयुक्त निदेशक श्रीमती राजबाला कटारिया ने कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं तथा अन्य उपस्थितजनों को प्रेरित करते हुए पौष्टिक आहार ग्रहण करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कैल्शियम एवं आयरन युक्त आहार लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मानसिक तनाव से बचने के लिए अपने आसपास के लोगों एवं परिवार के सदस्यों से संवाद बनाए रखने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मार्गदर्शन देते हुए अपने कार्यों को और अधिक बेहतर ढंग से करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत आयुष विभाग से श्री सचिन कपूर द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को चेयर योगा सेशन के माध्यम से योगाभ्यास करवाकर की गई। इस सत्र के दौरान सरल एवं प्रभावी योगासनों की विधि, उनके महत्व तथा उनसे होने वाले शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई, जिससे सभी उपस्थितजन सक्रिय रूप से लाभान्वित हुए।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न अनुभवी वक्ताओं द्वारा बालिकाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने अनुभव साझा किए गए। इसी क्रम में डॉ॰ नेहा गुप्ता द्वारा मेंस्ट्रुअल हाइजीन (मासिक धर्म स्वच्छता) विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया, जिसमें बालिकाओं को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं जागरूकता से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। वहीं डॉ॰ मीनू द्वारा मेंटल स्ट्रेस (मानसिक तनाव) विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य के महत्व एवं तनाव प्रबंधन के उपायों पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के दौरान 10वीं एवं 12वीं कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एमसीएम में एनएसएस शिविर में दूसरे दिन समग्र शिक्षण और सामाजिक जागरूकता की छाप

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय एवं रात्रिकालीन एनएसएस शिविर का दूसरा दिन स्वास्थ्य, ज्ञानवर्धन और कौशल विकास के समन्वय के साथ संपन्न हुआ। दिन की शुरुआत एक प्रकृति भ्रमण और व्यायाम से हुई, जिसने स्वयंसेवकों को पर्यावरण से जुड़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

'एक्सप्लोरिंग ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स' विषय पर एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन कॉलेज के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रमनीक द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने स्वयंसेवकों को विभिन्न डिजिटल संसाधनों से परिचित कराया और समकालीन शैक्षणिक परिदृश्य में तकनीक-आधारित शिक्षण के महत्व पर बल दिया। इसके पश्चात रोटो नॉर्थ, पीजीआईएमईआर की सलाहकार (मीडिया/आईईसी) सुश्री सरयू ने अंगदान पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने इसके महत्व को रेखांकित किया और जागरूकता एवं संचार से जुड़े प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला।'अंगदान' विषय पर सुख फाउंडेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष श्री अमित देवान द्वारा एक विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया गया, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को अंगदान के मानवीय और जीवन-रक्षक महत्व के प्रति संवेदनशील बनाया। उन्होंने इस पुण्य कार्य के लिए प्रेरित करते हुए इस नेक उद्देश्य का एंबेसडर बनने हेतु प्रोत्साहित किया। शिविर का अगला सत्र भौतिकी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. मोनिका ने 'साइंस इन डेली लाइफ' विषय पर एक ज्ञानात्मक सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने वैज्ञानिक सिद्धांतों की दैनिक जीवन में प्रासंगिकता को सरल उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया।

भाविप द्वारा इंस्टीट्यूट फॉर द ब्लाइंड के सभी 167 बच्चों के लिए ब्लेज़र प्रदान किए गए

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। इंस्टीट्यूट फॉर द ब्लाइंड, सैक्टर 26 में ब्लेज़र वितरण समारोह के रूप में एक अर्थपूर्ण एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम भारत विकास परिषद (भाविप), शहीद भगत सिंह शाखा, ढकोली-जीरकपुर द्वारा आयोजित किया गया जिसमें स्कूल के सभी 167 बच्चों के लिए ब्लेज़र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में श्रीरामकृष्ण मिशन सैक्टर 15, चण्डीगढ़ के सचिव स्वामी श्री भीतिहरानन्द जी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी जी के अभिनंदन से हुआ, जिसमें दिनेश कुमार कपिला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सह सभापति एवं सुश्री सुपर्णा सचदेव, मानद सचिव, सोसाइटी फॉर द केयर ऑफ द ब्लाइंड तथा भारत विकास परिषद शहीद भगत सिंह शाखा, ढकोली-जीरकपुर की ओर से संरक्षक प्रदीप जैन, अध्यक्ष अतुल कपूर और सचिव श्रीमती उषा गोयल द्वारा उन्हें स्नेह-स्मृति चिह्न भेंट किये गये।

कार्यक्रम की शुरुआत परिषद गीत 'देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भक्तिगीत 'जग में सुंदर है दो नाम, चाहे कृष्ण कहो चाहे राम' से हुई, जिसने उपस्थित सभी जनों पर गहरी छाप छोड़ी।

इसके उपरांत सुश्री उषा गोयल, सचिव, भारत विकास परिषद, शहीद भगत सिंह शाखा, ढकोली-जीरकपुर ने संस्था का संक्षिप्त परिचय देते हुए सेवा, मूल्य-आधारित कार्यों तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि स्वामी श्री भीतिहरानन्द जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों एवं स्टाफ को आशीर्वाद दिया। उन्होंने सकारात्मक दृष्टिकोण, आंतरिक शक्ति, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के महत्व पर बल देते हुए विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास एवं दृढ़ता से सामना करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के आदर्श पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता का मंत्र अपना हर काम पूर्ण एकाग्रता और निष्ठा के साथ करने में छिपा है। उन्होंने इंस्टीट्यूट फॉर द ब्लाइंड की समस्त कार्यकारिणी और स्कूल के सभी अध्यापकों तथा स्टाफ की निष्ठापूर्ण सेवा की प्रशंसा की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारत विकास परिषद के सदस्यों द्वारा विद्यार्थियों को ब्लेज़र वितरण रहा, जो दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए गरिमा, प्रोत्साहन एवं समावेशन का प्रतीक है। इस अवसर पर श्री प्रदीप जैन, संरक्षक, ने स्कूल प्रबंधन की सराहना की तथा इस पुनीत पहल को संभव बनाने वाले दानदाताओं एवं सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

समापन संबोधन दिनेश कुमार कपिला, एस.वी.पी सह सभापति, सोसाइटी फॉर द केयर ऑफ द ब्लाइंड द्वारा दिया गया। उन्होंने संस्थान की दूरदृष्टि एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए दानदाताओं एवं सहयोगियों की अमूल्य भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने गर्व से बताया कि संस्थान सीबीएसई से संबद्ध है और दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। वर्तमान में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 167 विद्यार्थी यहाँ अध्ययनरत हैं। शिक्षा ब्रेल लिपि स्क्रीन-रीडिंग सॉफ्टवेयर, सहायक तकनीकों एवं समावेशी शिक्षण विधियों के माध्यम से दी जाती है जिसमें व्यक्तित्व विकास, जीवन कौशल, नैतिक मूल्य एवं आत्मनिर्भरता पर विशेष बल दिया जाता है। उन्होंने शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की निष्ठा एवं समर्पण के लिए भी आभार व्यक्त किया तथा स्वामी जी एवं भारत विकास परिषद के निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद के संरक्षक प्रदीप जैन, अध्यक्ष अतुल कपूर, सचिव उषा गोयल, वित्त सचिव बलराम शर्मा, संयोजक अनिल मल्होत्रा, प्रमोद गौतम, पवन शर्मा, सुशील जैन, अशोक गर्ग, अनिल शर्मा, आर के वर्मा, वरिंदर गर्ग, हरमेश जिंदल, सुरिंदर पाल गोयल, सूबेदार रविन्द्र कश्यप, प्रसिद्ध गायक राजबीर, मनीषा सौरभ, संतोष कुमार, नीना वर्मा, रश्मि गर्ग, सरोज गर्ग, शैफाली, इंफोसीज़ के ऐ.वी.पी. त्रिवेंद्र गुप्ता, भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान के संस्थापक अनूप सरीन, नरेंद्र शर्मा व नरेश गोयल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत स्वामी जी एवं भारत विकास परिषद के सदस्यों ने परिसर का भ्रमण किया तथा स्कूल प्रबंधन, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ के समर्पित एवं ईमानदार प्रयासों की सराहना की।